हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 03 अंक - 76 बेमेतरा, रविवार 01 नवम्बर 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

राजधानी में दो कारों के बीच जबरदस्त भिड़ंत, एक ही परिवार के तीन घायल

रायपुर। राजधानी रायपुर में आधी रात को तेलीबांधा थाना क्षेत्र के अग्रसेन धाम चौक पर तेज रफ्तार स्कोडा कार और बलेनो कार के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बलेनो कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना में कार चला रहे 60 वर्षीय नरेंद्र सिंह भसीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला और दो बच्चे गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, बलेनो कार में सवार परिवार नया रायपुर में आयोजित भतीजी के विवाह समारोह से लौट रहा था। इसी दौरान अग्रसेन धाम चौक के पास स्कोडा कार ने उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। घटना तेलीबांधा थाना क्षेत्र के अग्रसेन धाम चौक की बताई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, देर रात स्कोडा कार तेज रफ्तार में थी। इसी दौरान उसकी बलेनो कार से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बलेनो का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। अचानक हुई दुर्घटना से कार में सवार लोगों को गंभीर चोटें आईं।

उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से नाम हटाने के फॉर्म-7 में गड़बड़ी के आरोप

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान नाम हटाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फॉर्म-7 को लेकर विवाद गहरा गया है। कुछ स्थानों पर बड़ी संख्या में फॉर्म जमा किए जाने और उनमें कथित अनियमितताओं के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता दिखाई है। अदालत ने चुनाव आयोग को शिकायतों में बताए गए तथ्यों की जांच करने और गड़बड़ी पाए जाने पर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। साथ ही आयोग को इस संबंध में अनुपालन रिपोर्ट भी दाखिल करनी होगी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश के कुछ विधानसभा क्षेत्रों में फॉर्म-7 के कथित दुरुपयोग का मुद्दा उठाया। उनका आरोप था कि मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए बड़ी संख्या में ऐसे आवेदन जमा किए गए, जिनकी प्रामाणिकता और प्रक्रिया पर सवाल खड़े होते हैं।

तालाब की जमीन पर निजी मालिकाना हक नहीं-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि तालाब, जलाशय अथवा सरकारी सामुदायिक उपयोग की जमीन को केवल विकास योजना में रिहायशी या व्यावसायिक क्षेत्र के रूप में दर्शा देने से उसका मूल कानूनी स्वरूप नहीं बदल जाता। यदि राजस्व अभिलेखों में कोई भूमि तालाब या सरकारी पोरम्बोक के रूप में दर्ज है, तो उस पर निजी व्यक्ति मालिकाना हक का दावा नहीं कर सकता। अदालत ने यह भी साफ किया कि ऐसी जमीन पर निजी इस्तेमाल के लिए पट्टा जारी करना कानून के विरुद्ध है।

दिल्ली में सजी माक संसद

पीएम मोदी और गृह मंत्री के सीधे निर्देशों पर आयोग चल रहे-खड़गे

- पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने की अध्यक्षता, मोदी ने पहुंचकर सबको हतप्रभ किया

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली में इंडिया ब्लॉक गठबंधन ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रतीकात्मक जन महाभियोग कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान खरगे के आवास पर मॉक संसद जैसा नजारा देखने को मिला। लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कुमार ने स्पीकर की भूमिका निभाते हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता की। खरगे ने विपक्ष के आरोपों को रखते हुए चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। आखिर खरगे के आवास पर संसद जैसी व्यवस्था क्यों बनाई गई और विपक्ष ने इस प्रतीकात्मक महाभियोग के जरिए क्या संदेश देने की कोशिश की खरगे के आवास के अंदर नजारा संसद जैसा ही था। इसके टेलीकास्ट की व्यवस्था भी संसद की तरह की गई थी। पहली पंक्ति में एक तरफ सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे नजर आए। दूसरी तरफपहली ही पंक्ति में ही सपा के धर्मेंद्र यादव और पीडीपी की महबूबा मुफ्ती बैठी थीं। मुफ्ती के पास तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी और तेजस्वी यादव मौजूद थे।



प्रियंका गांधी दूसरी पंक्ति में कपिल सिब्बल के साथ मौजूद थीं। मॉक पीठासीन अधिकारी मीरा कुमार को ही बनाया गया, जो लोकसभा स्पीकर रह चुकी हैं। उन्होंने ही अध्यक्षता की। बिल्कुल संसद की तरह ही कार्यवाही शुरू की गई। खरगे के संबोधन से कार्यवाही शुरू की गई। इस संसद में उनका व्यक्तव भी लिया गया, जिनका वोटर लिस्ट से नाम काट दिया गया। मॉक संसद की अध्यक्ष बनी मीरा कुमारी ने उन लोगों को भी बोलने का मौका दिया। सुशी अनीता जायसवाल को भी मौका मिला। उन्होंने कहा कि कोलकाता से दिल्ली रहने आई। 2012 में उनका दिल्ली में पहचान पत्र बना। इसके बाद से वो लगातार वोट डाल रही है। उन्होंने कहा कि वो सिंगल मॉम हैं। सरकार पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार फ्रूफकरे कि मैं किस देश की नागरिक हूं। इनको किसने अधिकार दिया कि ये पहचान पत्र मानने से इनकार करें। इसके बाद इनको किसने अधिकार दिया कि ये पहचान पत्र मानने से इनकार करें। बंगाल के इफ्तिखार अहमद ने भी अपनी बात रखी। उनका आरोप है कि उनका भी वोट काट दिया गया है। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के सीधे निर्देशों पर आयोग चला रहे हैं।

राजनीति के बाजार में मोहब्बत की दुकानें बंद,व्यापारियों ने हाथ जोड़कर राहुल गांधी से महारैली रद्द करने की अपील की.....

1 नवंबर को इंडिया ब्लॉक की होने वाली रामलीला मैदान महारैली का व्यापारी लगातार विरोध कर रहे हैं। रामलीला मैदान के आसा-पास कई मुख्य बाजार है। दिवाली से ऐन वक्त पहले बड़ा प्रदर्शन करने से व्यापारियों को करोड़ों रुपए का व्यापार प्रभावित होगा। व्यापारी लगातार कांग्रेस और राहुल गांधी से दिवाली तक रैली को रद्द करने की मांग कर हैं। वहीं राहुल गांधी ने व्यापारियों की मांग को मनाने से इनकार कर दिया है। अब राहुल गांधी पर दिल्ली के व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा है। चैंबर ऑफट्रेड एंड इंडस्ट्री यानी सीटीआई ने एक बार फिर राहुल गांधी से महारैली रद्द करने की अपील की है। दिल्ली में व्यापारियों और उद्यमियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफट्रेड एंड इंडस्ट्री सीटीआई ने कहा कि आप हमेशा बोलते हैं कि मैं नफ़रत के बाजार में मोहब्बत की दुकान चलाता हूं।

संजय दत्त की फिल्म से किया था डेब्यू

दिग्गज निर्देशक निर्माता संजय गुप्ता का निधन....

नई दिल्ली। चर्चित निर्माता-निर्देशक संजय गुप्ता के निधन की खबर है। 30 अक्तूबर को उन्होंने दुनिया को अलविदा कहा। दिग्गज निर्देशक संजय गुप्ता का निधन सिर में चोट लगने के चलते हुआ। फिल्ममेकर और चीफ एडवाइजर अशोक पंडित ने सोशल मीडिया पर संजय गुप्ता के निधन की दुखद सूचना की पुष्टि की है। फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। अशोक पंडित ने निर्देशक संजय गुप्ता के निधन की खबर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा करते हुए बताया कि संजय गुप्ता का घर पर सिर में चोट लगने के कारण निधन हो गया। अशोक पंडित बोले- 'बहुत याद आओगे



दोस्त'अशोक पंडित ने लिखा है, 'यह सच में बहुत चौंकाने वाली दुखद खबर है। अभी सूचना मिली कि हमारे प्यारे दोस्त और जाने-माने डायरेक्टर संजय गुप्ता नहीं रहे। घर पर सिर में चोट लगने से उनका निधन हो गया।

गुरु के चोले में छिपा था दरिंदा

स्कूल में नाबालिग छात्राओं से करता था गंदी हरकत,कोर्ट ने प्रिंसिपल को सुनाई 6 साल सश्रम कारावास की सजा....

बलौदाबाजार। स्कूल में पढ़ने वाली 9 नाबालिग छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार और यौन उत्पीड़न के मामले में अदालत ने शिक्षक को दोषी ठहराते हुए 6 साल के सश्रम कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है। आरोपी पलारी थाना क्षेत्र के टीपावन स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में प्रभारी प्राचार्य के पद पर पदस्थ था। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) गिर्जेश प्रताप सिंह की अदालत में हुई। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक निशा शर्मा ने पैरवी की। मामले में सामने आया कि आरोपी शिक्षक ने एक छात्रा को उसके पिता का हालचाल पूछने के बहाने अपने स्टाफ रूम में बुलाया था। बातचीत के दौरान उसने छात्रा की पीठ और कमर पर हाथ फेरना शुरू कर दिया। इसके बाद उसके सीने को छूने की कोशिश की। शिक्षक की इस हरकत से छात्रा डर गई और वहां से भाग निकली। घटना के बाद स्कूल की एक शिक्षिका ने बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में समझाया। इसी दौरान उन्होंने छात्राओं से पूछा कि क्या किसी के साथ इस तरह की कोई घटना हुई है। इस पर पीड़िता ने अपने साथ



हुई घटना की जानकारी शिक्षिका और अपनी मां को दी। इसके बाद स्कूल की अन्य छात्राओं ने भी आरोपी शिक्षक पर इसी तरह की हरकत करने के आरोप लगाए। छात्राओं की शिकायतों के आधार पर पुलिस ने आरोपी तिलक राम वर्मा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 और 75(1), पॉक्सो एक्ट की धारा 8 और 9(द्ध) के साथ एससी-एसटी एक्ट की धारा 3(2)(1)(क) के तहत एफआईआर दर्ज की थी। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने अदालत में चालान पेश किया। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) गिर्जेश प्रताप सिंह की अदालत में हुई। अभियोजन पक्ष ने अपना मामला साबित करने के लिए कुल 28 गवाहों के बयान दर्ज कराए। सुनवाई के दौरान छात्राओं के साथ हुई घटनाओं से जुड़े तथ्यों और साक्ष्यों को अदालत के सामने रखा गया। अभियोजन पक्ष की प्रभावी पैरवी और पेश किए गए साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी शिक्षक को दोषी पाया।

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का स्थान लिया

आशुतोष दीक्षित बने भारतीय वायुसेना के नए चीफ प्रमुख

नई दिल्ली/ एजेंसी

एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने 31 अक्टूबर 2026 को भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख के रूप में पदभार संभाल लिया। उन्होंने एयर चीफमार्शल अमर प्रीत सिंह (एपी सिंह) का स्थान लिया, जो 42 वर्षों की विशिष्ट सैन्य सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं। इसके पहले एयर चीफमार्शल ए. पी. सिंह को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। आज उनका वायुसेना प्रमुख के रूप में अंतिम कार्य दिवस था। भारतीय वायुसेना की कमान सौंपने से पहले निवर्तमान Air Chief Marshal



AP Singh और वर्तमान Chief of Air Staff एयर चीफ मार्शल Ashutosh Di&it ने मिलकर नेशनल वार मेमोरियल पर पुष्पचक्र अर्पित किया। इस नेतृत्व परिवर्तन के साथ भारतीय वायुसेना की कमान अब एक अनुभवी फाइटर पायलट और परीक्षण पायलट के हाथों में आ गई है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र एयर चीफ मार्शल अशुतोष दीक्षित को 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायुसेना की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन मिला था। लगभग चार दशक के सैन्य करियर में उन्होंने ऑपरेशंस, विमान परीक्षण, वायुसेना की क्षमताओं के विकास और संयुक्त रक्षा सेवाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण दायित्व निभाए हैं। वे एक अनुभवी फाइटर पायलट, क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर और एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट हैं।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मध्यप्रदेश में 12 नवंबर को होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव और भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल मौजूद थे। पुरी (74) सुबह 11 बजे के कुछ देर बाद विधानसभा भवन पहुंचे और अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया सोमवार से शुरू हुई थी। भाजपा ने इस सीट से पुरी को मैदान में उतारा है, जो एल मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई है।

जनसभा में अजय मंच छोड़ कार्यकर्ताओं के साथ बैठे

मंत्री वर्मा के निवेदन पर दिया भाषण,पर सुना दी खरीखोटी

रायपुर/ संवाददाता

धमतरी में आज भाजपा के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत पदयात्रा के बाद विशाल जनसभा आयोजित की गई जिसमें पूर्व मंत्री और विधायक अजय चंद्राकर की नाराजगी सार्वजकिन चर्चा का विषय बनी रही। यहां तक कि मंत्री टंकराम वर्मा को भी सफाई देनी पड़ी। सूत्रों के मुताबिक धमतरी में आज भाजपा के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत पदयात्रा के बाद विशाल जनसभा



आयोजित की गई थी जिसमें मुख्य वक्ता वरिष्ठ बीजेपी नेता अजय चंद्राकर थे लेकिन मंच पर स्वागत कार्यक्रम को लेकर वे नाराज नजर आए। वे मंच पर आने के बजाय दर्शक दीर्घा में ही बैठे रहे। मंच से तीन बार आमंत्रित किए जाने के बावजूद अजय चंद्राकर मंच पर नहीं पहुंचे। इसके बाद प्रभारी मंत्री टंक राम वर्मा स्वयं मंच से नीचे उतरे और उनसे मुलाकात कर हाथ मिलाया। उन्होंने अजय चंद्राकर से मंच पर आने का आग्रह भी किया। श्री चंद्राकर ने उनके आग्रह को स्वीकार करते हुए मंच पर तो पहुंच गए मगर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि पार्टी के विधायक और वरिष्ठ नेता डोमनलाल कोरसेवाड़ा जी का निधन हुआ है और अभी उनकी अंत्येष्टि भी नहीं हुई है। ऐसे समय में मंच पर नेताओं का स्वागत किया जाना कतई उचित नहीं है।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 : संस्कृति का गौरव,समृद्धि का संकल्प और विकास का उत्सव

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया होंगे शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि

- समापन कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के होंगे मुख्य अतिथि
- 2 नवंबर को सेंध लेक में सुबह 11 बजे सारंग टीम दिखाएगी हवाई करतब

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की माटी की महक, लोकजीवन के रंग और विकास की उपलब्धियां 'छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026' में एक साथ जीवंत होंगी। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 1 से 3 नवंबर तक नवा रायपुर अटल नगर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर, मेला ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव प्रदेश की समृद्ध विरासत, जनसामर्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के संकल्प को समर्पित होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में इस वर्ष राज्योत्सव की थीम "सशक्त नारी, युवा उड़ान'' रखी गई है। विभागीय विकास प्रदर्शनियां, लोककला एवं शिल्प, राष्ट्रीय कलाकारों की प्रस्तुतियां और भारतीय वायुसेना की सारंग टीम का रोमांचक एयर शो आयोजन के प्रमुख आकर्षण होंगे। राज्योत्सव के शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री श्री मनसुख मांडविया होंगे। दूसरे दिन 2 नवंबर को आयोजित कार्यक्रम राज्यपाल श्री रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में होगा। केंद्रीय



गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह 3 नवंबर को समापन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में भी 2 नवंबर को राज्योत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ था। राज्योत्सव उनके ऐतिहासिक योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और राज्य निर्माण से जुड़ी जनआकांक्षाओं को सम्मान देने का अवसर होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में छत्तीसगढ़ की भूमिका और संभावनाओं को भी आयोजन में रेखांकित किया जाएगा। महिलाओं के सशक्तिकरण और युवाओं की प्रतिभा, ऊर्जा तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने का संदेश राज्योत्सव की थीम को सार्थक बनाएगा। राज्य स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन नवा रायपुर अटल नगर के ग्राम तूता स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर, मेला ग्राउंड में होगा। यहां विभिन्न विभागों की विकास प्रदर्शनियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, शिल्पग्राम और अन्य गतिविधियों के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और विकास यात्रा को प्रस्तुत किया जाएगा।

लोक संस्कृति और सुर-संगीत के नाम होंगी तीन सांस्कृतिक संध्याएं

राज्योत्सव में तीनों दिन शाम 4 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू होगा। शाम 4 बजे से स्थानीय कलाकार, शाम 7 बजे से राज्य स्तरीय कलाकार और रात 8 बजे से राष्ट्रीय कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। छत्तीसगढ़ के लोकगीतों, लोकनृत्यों और सांस्कृतिक परंपराओं के साथ राष्ट्रीय कलाकारों की प्रस्तुतियां उत्सव को यादगार बनाएंगी 1 नवंबर को पार्श्व गायिका सुश्री पलक मुच्छल, 2 नवंबर को पार्श्व गायिका सुश्री स्वस्ति मेहुल और 3 नवंबर को पार्श्व गायक श्री अभिजीत भट्टाचार्य अपनी प्रस्तुतियां देंगे। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में 2 नवंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विकास प्रदर्शनियों के साथ राज्योत्सव मनाया जाएगा।

बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने भाजपा ने बनाई कार्ययोजना

जिला स्तरीय बैठक में नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी, सरकारी योजनाओं के प्रचार और एसआईआर को लेकर हुई चर्चा

मूक पत्रिका

बीजापुर। भाजपा ने आगामी नगरीय निकाय चुनाव को देखते हुए संगठन को बूथ स्तर पर सक्रिय करने की तैयारी शुरू कर दी है। जिला अध्यक्ष घासीराम नाग की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बढ़ाने और सरकारी योजनाओं को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने पर चर्चा हुई। बैठक में जिला प्रभारी दीपेश अरोरा ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि को अपने क्षेत्र में सक्रिय रहना जरूरी है। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ गांवों में अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए कार्यकर्ताओं को लोगों के बीच जाकर जानकारी देनी चाहिए। उन्होंने आगामी नगरीय निकाय चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक तैयारी पर भी जोर दिया। जिला अध्यक्ष घासीराम नाग ने कहा कि



बूथ स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ता ही संगठन की ताकत हैं। प्रत्येक बूथ के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार कर नियमित रूप से गतिविधियां संचालित की जाएं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क बढ़ाने और संगठन की जिम्मेदारियों का सक्रियता से निर्वहन करने की बात कही।

एसआईआर को लेकर भी चर्चा-बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर भी विचार-विमर्श हुआ। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस विषय पर लोगों के बीच भ्रम फैला रही है। उन्होंने आम लोगों तक तथ्यात्मक जानकारी पहुंचाने के लिए अभियान चलाने की बात कही। इसके साथ ही मन की बात, प्रबुद्धजन सम्मेलन और लोकतंत्र बचाओ कार्यक्रम की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई।

बैठक में ये रहे मौजूद: दीपक बाजपेई, पायल गुप्ता, पेरे पुलैया, संजय लुक्कड़, राम राणा, माया झाड़ी, गौतम राव, शंकरैया माड़वी, उपाध्यक्ष राजू, प्रताप यादव, सुखमन कश्यप, उर्मिला तोकल, अशोक राव, तीरथ जुमार, चिन्नाराम तेलम, लालू पोडियम सहित भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वाती नक्षत्र के संयोग से सजी 8 नवम्बर को दीपावली - पण्डित ब्रह्मदत्त शास्त्री



नवापारा -राजिम । महालक्ष्मी पूजा का पावन पर्व दीपावली अगले रविवार 8 नवम्बर को है ज्योतिष भूषण पण्डित ब्रह्मदत्त शास्त्री ने बताया कि सभी 12महीनों में कार्तिक मास को परम पुण्यप्रद माना जाता है, क्योंकि इस महीने में उत्सवों की एक श्रृंखला ही शुरू हो जाती है, पिछले गुरुवार को सुहागिन स्त्रियों का अखण्ड सुहाग के लिए किया जाने वाला करवाचौथ का व्रत सम्पन्न हुआ है, आज रविवार 1नवम्बर को हमारे छत्तीसगढ़ राज्य की 25वीं वर्षगांठ है और रवि पुष्य नक्षत्र का सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है, आज व्यापारी भाई अपने प्रतिष्ठान के लिए खाता बही आदि खरीदेंगे दुकान के लिए खरीदारी करने और गृहस्थ लोग भी अपने परिवार के लिए गहने, कपड़े, बर्तन, वाहन, भूमि भवन खरीदने केलिए कार्तिक के इस रवि पुष्य नक्षत्र को सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त मानते हैं,अगले गुरुवार को रमा एकादशी और गोवत्स द्वादशी का सुन्दर सुयोग बन रहा है, 6नवम्बर शुक्रवार को धनतेरस है, गृहस्थ इस दिन पीतल के बर्तन और सोने चांदी के आभूषण खरीदने को बड़ा शुभ और मंगलकारी मानते है, इसके अलावा जमीन जायदाद, गाड़ी आदि की खरीदारी और नए अनुबंधों के लिए भी धनतेरस को शुभ फलदायी माना जाता है, आयुर्वेद के प्रवर्तक भगवान धनवंतरी का प्राकट्य दिवस 7नवम्बर शनिवार को शास्त्र सम्मत है, विगत 48वर्षों से नगर के लब्धप्रतिष्ठित वैद्य भंवरलाल जैन औषधालय के संचालक डॉक्टर राजेन्द्र गदिया इस पर्व को एक सार्वजनिक उत्सव के रूप में नगरवासियों के साथ मनाते आ रहे हैं, शनिवार को ही काली चौदस और हनुमान जन्मोत्सव है, हनुमद जन्मोत्सव साल में दो बार मनाया जाता है, एक तो कार्तिक के महीने में और दूसरा चैत्र सुदी पूर्णिमा को, रविवार को सर्व श्रेयस्कर स्वाति नक्षत्र पड़ रहा है, शास्त्री जी ने बताया कि इस नक्षत्र को महालक्ष्मी पूजन के लिए सर्वश्रेष्ठ माना जाता है, हमारे प्रान्त छत्तीसगढ़ और हमारे भारत देश की सुख समृद्धि के लिए यह एक शुभ संकेत है, प्रदोष काल में रविवार 8नवम्बर को पूरे देश में यह पर्व हर्ष उल्लास के माहौल में धूमधाम से मनाया जाएगा, कार्तिक कृष अमावस्या को यह पर्व मनाया जाता है, सोमवार को भी अमावस्या है, यह सोमवती अमावस्या स्नान दान की अमावस्या है और श्री महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस भी है, जैन मतावलंबी इसे बड़ी श्रद्धा से मनाते हैं, लोग भ्रम में न रहे महालक्ष्मी पूजन रविवार को ही है, मंगलवार 10नवम्बर को गोवर्धन पूजा अन्नकूट महोत्सव है और यमद्वितीया भाई दूज 11नवम्बर बुधवार को है, ब्रह्मदत्त शास्त्री ने कहा कि धनतेरस से भाई दूज तक मनाए जाने वाले ये पांच प्रमुख पर्व वस्तुतः भगवान श्री लक्ष्मीनारायण का पंचामृत है.

करवा चौथ पर जसवंत कोसरिया और प्रिया कोसरिया ने चंद्र दर्शन कर खोला व्रत, विष्णु कोसरिया ने दिया आशीर्वाद

मूक पत्रिका

केशकाल (जिला कोंडागांव, छत्तीसगढ़)। करवा चौथ के पावन अवसर पर जसवंत कोसरिया एवं उनकी धर्मपत्नी प्रिया कोसरिया ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर चंद्रमा के दर्शन किए और अपने व्रत की परंपरा का निर्वहन किया। इस अवसर पर परिवार में श्रद्धा, प्रेम और उत्साह का माहौल रहा। इस विशेष अवसर पर ऑल इंडिया संपादक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी उपाध्यक्ष विष्णु कोसरिया ने अपने बेटे जसवंत कोसरिया एवं बहू प्रिया कोसरिया को आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने उनके सुखी दांपत्य जीवन, उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और



खुशहाली की कामना की।विष्णु कोसरिया ने करवा चौथ का व्रत रखने वाली सभी महिलाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके परिवारों में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहने की कामना की।करवा चौथ का पर्व पति-पत्नी के बीच प्रेम, विश्वास, समर्पण और पारिवारिक एकता का प्रतीक माना जाता है। यह पर्व भारतीय संस्कृति और पारिवारिक परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत करता है।

कन्द फसल परियोजना के तहत पोटानार पंचायत के 30 से अधिक किसानों ने किया कृषि अनुसंधान केन्द्र का शैक्षणिक भ्रमण

किसानों को कंदीय फसलों की उन्नत खेती, उत्पादन तकनीक एवं भंडारण की दी गई जानकारी, कृषि उपयोगी सामग्री और फलदार पौधों का किया गया वितरण

मूक पत्रिका

पवन कुमार नाग -पोटानार- किसानों को कंदीय फसलों की उन्नत खेती, उत्पादन तकनीक एवं भंडारण की दी गई जानकारी, कृषि उपयोगी सामग्री और फलदार पौधों का किया गया वितरण।परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, कुम्हरावण्ड, जगदलपुर में संचालित अखिल भारतीय समन्वित कन्द फसल अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति उप-योजना (स्टफ्स्क) के तहत 31 अक्टूबर 2026 को एक दिवसीय प्रक्षेत्र भ्रमण सह-कृषक प्रशिक्षण एवं सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया





गया। इस कार्यक्रम में ग्राम पोटानार, विकासखंड तोकापाल के 30 से अधिक किसानों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. ठाकुर, सह-संचालक अनुसंधान ने किसानों को कंदीय फसलों की खेती के लाभों से अवगत कराते हुए इन्हें कृषि कार्य में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान कन्द फसल अनुसंधान परियोजना की प्रभारी डॉ. पद्माक्षी ठाकुर ने किसानों को विभिन्न कंदीय फसलों के प्रक्षेत्र का भ्रमण कराया। उन्होंने अलग-अलग कंदीय फसलों की उन्नत किस्मों, उत्पादन तकनीक एवं आधुनिक खेती के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी। वहीं डॉ. गुंजा ठाकुर ने किसानों को कंद फसलों के उचित भंडारण तथा लघु वर्गीय कंद फसलों के उत्पादन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। विशेषज्ञों ने किसानों को पारंपरिक खेती के साथ उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने की सलाह दी। प्रक्षेत्र भ्रमण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर किसानों को कृषि कार्य में उपयोगी सामग्री वितरित की गई। इसमें सब्जियों के बीज, कीटनाशक, मुनगा एवं अमरूद के पौधे तथा तिरपाल (तालपत्री) शामिल रहे। इस पहल का उद्देश्य अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों से जोड़ना, कंदीय फसलों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा कृषि संसाधन उपलब्ध कराकर उनकी खेती को प्रोत्साहित करना रहा।

बैलाडिला बुल्स ने 6-2 से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह पक्की की

पहले सेमीफाइनल में संस्कारधानी का मुकाबला न्यायधानी से

रायपुर। बैलाडिला बुल्स के लिए अपने आखिरी लीग मैच में इससे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद नहीं की जा सकती थी। आज की जीत ही उसे सेमीफाइनल में पहुंचा सकती थी। टीम ने उम्दा प्रदर्शन करते हुए चक्रधर चैंपियंस को 6-2 से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस परिणाम के साथ ही संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने भी टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली। अब टॉप क्वालीफायर के रूप में न्यायधानी नाइट्स 31 अक्टूबर को शाम 5:30 बजे संस्कारधानी का सामना करेगी, जबकि इसके बाद शाम 7:30 बजे बैलाडिला और मैनपाट के बीच दूसरा सेमीफाइनल होगा। मैच शुरू होने से पहले चिंगलेनसाना सिंह की टीम के सामने 'करो या मरो' जैसी स्थिति थी, और उन्होंने शानदार



प्रदर्शन करके दिखाया। आनंद ने पहले ही मिनट में गोल करके अपनी टीम के इरादे साफ कर दिए। उन्होंने शुरुआती हमले में एक 'रिवर्स फ्लिक' लगाई, जो सीधे नेट में जाकर लगी। बुल्स ने गोल करने के लिए जबरदस्त जज्बा दिखाया, खासकर पहले मैच में मिली हार के बाद। पहले क्वार्टर का सबसे अहम पल वह था जब डलेश्वर यादव ने युवराज वाल्मीकि के खिलाफ एक 'पेनल्टी स्ट्रोक' को बचा लिया, जिसने चैंपियंस को गोल करने से रोक दिया। वहीं बुल्स ने अपने मिले मौके को गोल में बदल दिया। जसकरण सिंह ने लीग में अपना 7वां गोल किया और टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। कुछ मिनट बाद उन्होंने एक पेनल्टी कॉर्नर के जरिए अपना तीसरा गोल दागा। इस अहम मुकाबले में जसकरण यहीं नहीं रुके। उन्होंने तीसरे क्वार्टर में एक पेनल्टी कॉर्नर के जरिए अपना चौथा गोल किया। आनंद भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने चैंपियंस के कुछ डिफेंडरों को छकाते हुए एक और गोल कर दिया। इसके तुरंत बाद गोपाल ने पेनल्टी कॉर्नर रिबाउंड पर गोल किया, जिससे उनका गोल अंतर +2 हो गया और सेमीफाइनल में उनकी जगह पक्की हो गई। चक्रधर के लिए यह बहुत निराशाजनक रहा। हालांकि एस.वी. सुनील ने अपनी टीम के लिए मौके बनाए, लेकिन फॉरवर्ड लाइन के बीच तालमेल की कमी दिखी। कप्तान ने सर्कल के अंदर कुछ बेहतरीन पास दिए, लेकिन गेंद को गोल में मोड़ने (डिफ्लेक्ट करने) के लिए वहां कोई मौजूद नहीं था। किसी तरह दूसरे क्वार्टर में खोगेश्वर बाग ने एक गोल कर दिया। आखिरी क्वार्टर के अंत में वाल्मीकि ने रिवर्स हिट से गोल किया, लेकिन यह उन्हें सेमीफाइनल तक पहुंचाने के लिए काफी नहीं था। असल में, इन दो गोलों के अलावा, 'चैंपियंस' टीम सर्कल के अंदर बहुत कम बार पहुंच पाई।

शमशेर की टीम 'संस्कारधानी स्ट्राइकर्स' ने मजबूत 'मैनपाट टाइटन्स' के खिलाफ उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया और अपने आखिरी लीग मैच में उन्हें 4-0 से हरा दिया। हालांकि उनका सेमीफाइनल में पहुंचना काफी हद तक 'बुल्स' और 'चक्रधर' के बीच होने वाले मैच पर निर्भर था, लेकिन कुल मिलाकर उन्होंने अपना काम बखूबी कर दिया था।

आशीष तानी पूर्ति ने हैट्रिक लगाई, जिससे उनके कुल गोलों की संख्या 12 हो गई।

समान नागरिक संहिता से सामाजिक समरसता, महिला सशक्तिकरण और समान नागरिक अधिकारों को मिलेगी मजबूती

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर विभिन्न सामाजिक संगठनों की भागीदारी और जनसंवाद का क्रम जारी है। इसी कड़ी में स्वयंप्रभा फाउंडेशन एवं आम्रपाली सहकारी गृह निर्माण संस्था मर्यादित, रायपुर के प्रतिनिधियों ने समान नागरिक संहिता समिति के समक्ष महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। समान नागरिक संहिता समिति के सदस्यों सेवानिवृत्त आईएएस एम.के. राऊत और वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा प्रस्तुत सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना। समिति की ओर से सुझावों के समुचित परीक्षण एवं विचार-विमर्श के दौरान उन्हें संज्ञान में लेने की बात कही गई। प्रतिनिधियों ने विश्वास व्यक्त किया कि व्यापक जनभागीदारी और विभिन्न समुदायों के विचारों के आधार पर तैयार की जाने



वाली समान नागरिक संहिता सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण, नागरिक अधिकारों की सुरक्षा और सामाजिक समरसता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो सकती है। प्रतिनिधियों ने सुझाव प्रस्तुत किया कि समान नागरिक संहिता का उद्देश्य सभी नागरिकों को समान कानूनी अधिकार, महिलाओं को न्यायपूर्ण संरक्षण और समाज में समानता एवं समरसता को बढ़ावा देना होना चाहिए। साथ ही छत्तीसगढ़ की विशिष्ट आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और संवैधानिक अधिकारों का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। स्वयंप्रभा फाउंडेशन के अध्यक्ष शिव नारायण मुंदड़ा, डॉ. मुकेश शाह तथा आम्रपाली सहकारी गृह निर्माण संस्था मर्यादित के अध्यक्ष इन्द्रनाथ सिंह ने समान नागरिक संहिता के संबंध में अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

उन्होंने कहा कि विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, संपत्ति एवं पारिवारिक अधिकारों से जुड़े कानूनों में समानता स्थापित होने से नागरिकों को न्याय प्राप्त करने में सुविधा होगी।

कन्या शिक्षा परिसर में छात्राओं से की बातचीत, पुनर्वासित युवाओं से जानी समस्याएं; अधिकारियों को योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के निर्देश

जनजातीय अधिकारों और पुनर्वास की व्यवस्थाओं का जायजा लेने बीजापुर पहुंचे मानव अधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर





मूक पत्रिका

बीजापुर/आशीष पदमवार। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर आर. हेमंत कुमार ने शनिवार को जिले के विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण कर जनजातीय समुदाय से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने नैमेड हैचरी, कन्या शिक्षा परिसर, नक्सल पुनर्वास केंद्र और गारमेंट फैक्टरी का दौरा किया। कहीं छात्राओं से पढ़ाई और छात्रावास की सुविधाओं पर चर्चा की तो कहीं पुनर्वासित युवाओं से समाज की मुख्यधारा में लौटने के बाद की स्थिति जानी। इसके बाद विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर वन अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका से जुड़े विषयों की समीक्षा की।

छात्राओं से सुविधाओं की जानकारी ली-विशेष मॉनिटर ने नैमेड स्थित हैचरी का निरीक्षण कर उत्पादन प्रक्रिया, उपलब्ध संसाधनों और संचालन व्यवस्था का जायजा लिया। इसके बाद कन्या शिक्षा परिसर पहुंचकर छात्राओं से सीधे संवाद किया। उन्होंने पढ़ाई, शिक्षकों द्वारा अध्यापन, दैनिक दिनचर्या और शैक्षणिक वातावरण के संबंध में जानकारी ली। छात्रावास में भोजन की गुणवत्ता, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में भी पूछा। छात्राओं की समस्याओं और जरूरतों को सुनते हुए बेहतर शिक्षा और सुरक्षित आवासीय वातावरण पर जोर दिया।

पुनर्वासित युवाओं से जाना जीवन में आया बदलाव-नक्सल पुनर्वास केंद्र में उन्होंने पुनर्वासित युवाओं से मुलाकात कर उनके पूर्व जीवन, पुनर्वास के फैसले और परिवार से जुड़ी परिस्थितियों पर चर्चा की। समाज की मुख्यधारा में लौटने के बाद उनके जीवन में आए बदलाव, वर्तमान सुविधाओं, रोजगार की संभावनाओं और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद गारमेंट फैक्टरी पहुंचकर सिलाई और वस्त्र निर्माण की गतिविधियों का अवलोकन किया। यहां काम कर रहे लोगों से प्रशिक्षण और रोजगार के अनुभव जाने। कौशल विकास के माध्यम से स्थानीय लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों की जानकारी भी ली।

विभागीय समन्वय से काम करने पर जोर-विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक में विशेष मॉनिटर ने जनजातीय समुदाय के संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण, वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय को सम्मानजनक जीवन और विकास के समान अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है। सभी विभाग आपसी समन्वय और संवेदनशीलता के साथ काम करें, ताकि शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे। उन्होंने दूरस्थ क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता और समस्याओं के त्वरित निराकरण पर भी जोर दिया। इस दौरान एसडीएम राकेश साहू, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग देवेंद्र पटले, तहसीलदार पंचराम सलामे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण में इन व्यवस्थाओं को परखा

* शिक्षाः कन्या शिक्षा परिसर में पढ़ाई और छात्रावास की सुविधाएं।
* मूलभूत सुविधाः भोजन, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य और सुरक्षा।
* पुनर्वासः युवाओं का सामाजिक पुनर्स्थापन और भविष्य।
* आजीविकाः गारमेंट फैक्टरी में प्रशिक्षण और रोजगार।
* अधिकारः वन अधिकार अधिनियम और शासकीय योजनाओं का लाभ।

संक्षिप्त समाचार

मुकेश अंबानी की कंपनी की धमाकेदार लिस्टिंग, 21% से ज्यादा का बंपर मुनाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड की शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत हुई है। जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में 21.36 पर्सेंट के फायदे के साथ 1358 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में भी कंपनी के शेयर 21.36 पर्सेंट के प्रीमियम के साथ 1358 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ का प्राइस बैंड 1065 से 1119 रुपये था। वहीं, जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ का इश्यू प्राइस



1119 रुपये था। लिस्टिंग प्राइस पर जियो प्लेटफॉर्म्स देश की दूसरी सबसे बड़ी लिस्टेड कंपनी और सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी बन गई है। जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ पर टोटल 21.36 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स या आम निवेशकों की कैटेगरी में 2.76 गुना दांव लगा। वहीं, शेयरहोल्डर्स का कोटा 7.59 गुना सब्सक्राइब हुआ। जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ में एंप्लॉयीज कैटेगरी में 2.91 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। कंपनी के आईपीओ में गैर संस्थागत निवेशकों या नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का कोटा 13.99 गुना सब्सक्राइब हुआ है। वहीं, क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 67.15 गुना दांव लगा है। जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ में एंप्लॉयीज के लिए 54 रुपये का डिस्काउंट था।

एसजीबी में 1 लाख लगाने वालों की चांदी! निवेश की वैल्यू 3 लाख के पार

नईदिल्ली, एजेंसी। अप्रैल 2020 में निवेश करने वाले लोगों के लिए बड़ी खबर है। भारतीय रिजर्व बैंक समय से पहले निकासी के लिए कीमत ?14,159 प्रति ग्राम तय की है। इससे निवेशकों को सोने की कीमतों में तेजी का फायदा मिला है। ऑनलाइन आवेदन पर डिस्काउंट लेकर निवेश करने वालों का मूल निवेश के मुकाबले रिटर्न करीब 209% बैठता है। इसके अलावा उन्हें बॉन्ड पर सालाना ब्याज भी मिलता है। हालांकि, बॉन्ड को समय से पहले भुनाने से पहले टैक्स के नियम समझना जरूरी है। समय से पहले निकासी पर मिलने वाला टैक्स लाभ, तय अवधि पूरी होने पर मिलने वाली छूट से अलग हो सकता है। 27 अक्टूबर 2026 की घोषणा के मुताबिक,14,159 प्रति ग्राम का रिडेम्पशन प्राइस 28 अक्टूबर 2026 को लागू होगा। ये बॉन्ड 28 अप्रैल 2020 को जारी किए गए थे। उस समय इनकी इश्यू प्राइस ?4,639 प्रति ग्राम थी। ऑनलाइन आवेदन करके डिजिटल पेमेंट करने वाले निवेशकों को ?50 प्रति ग्राम की छूट मिली थी, जिससे उनकी खरीद कीमत घटकर 4,589 प्रति ग्राम रह गई। यह रिटर्न केवल सोने की कीमत में बढ़ोतरी से हुई कमाई को दिखाता है। इसमें बॉन्ड पर मिलने वाला ब्याज और टैक्स शामिल नहीं हैं। अगर किसी निवेशक ने अप्रैल 2020 में ऑनलाइन डिस्काउंट के साथ 4,589 प्रति ग्राम की दर से स्त्रक्क खरीदे थे, तो सोने की कीमत बढ़ने से उनकी रकम तीन गुने से ज्यादा हो गई है। उदाहरण के लिए, 20 ग्राम गोल्ड बॉन्ड खरीदने के लिए निवेशक ने कुल 91,780 लगाए थे। अब 14,159 प्रति ग्राम के रिडेम्पशन प्राइस के हिसाब से इनकी कीमत 2,83,180 हो गई है। यानी निवेशक को 1,91,400 का मुनाफा होगा। इसी तरह, 1 लाख के निवेश के बराबर रकम अब करीब 3.09 लाख हो सकती है।

अब नहीं चलेगी चीन की दादागीरी

देश में ही बनेंगे जरूरी प्रोडक्ट्स, सरकार ने की 120 आइटम्स की पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा साल के पहले नौ महीनों में ही 100 अरब डॉलर के पार चला गया है। इसे कम करने के लिए सरकार घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दे रही है। साथ ही खासकर चीन से आयात पर निर्भरता कम करने के लिए करीब 120 प्रोडक्ट्स की पहचान की है। इनका निर्माण भारत में ही किया जाएगा। इनमें इंटरमीडिएट प्रोडक्ट्स और कैपिटल गुड्स शामिल हैं। सरकार ने चीन से टनल बोरिंग मशीनों की आपूर्ति पर बैन लगा रखा है। इन मशीनों के लिए एक अलग योजना पर भी काम चल रहा है।

यह योजना सरकार की व्यापक 'आत्मनिर्भर भारत' रणनीति का हिस्सा है। पश्चिमी एशिया संकट के बाद इस रणनीति पर फिर से ध्यान दिया जा रहा है। भारी आयात निर्भरता के कारण कई जरूरी चीजों की स्थानीय स्तर पर भारी कमी हो गई। कोविड के समय भी मेडिकल इनपुट्स सहित कई उत्पादों की



आपूर्ति प्रभावित हुई थी। इसकी वजह यह है कि प्रोडक्शन चेन पर चीन का नियंत्रण था।

मोबाइल फोन जैसी रणनीति: यह पूरी कवायद की लीडरशिप में की जा रही है। इसके तहत पहचाने गए प्रोडक्ट्स में एसिटिक एसिड जैसे केमिकल, फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट्स और इनपुट, मेडिकल टेक्नोलॉजी से जुड़ी वस्तुएं, मशीन टूल्स, कंस्ट्रक्शन इक्विमेंट्स, क्रेन, और एयरोस्पेस क्षेत्र में मेंटेनेंस, रिपेयर और ऑपरेशंस में यूज होने वाले प्रोडक्ट्स शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि इस लिस्ट में कुछ कंज्यूमर गुड्स भी शामिल हैं जिनमें फुटवियर वैल्यू चेन से जुड़े प्रोडक्ट्स भी हैं।

साथ ही अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ भी अभी बातचीत चल रही है। इसमें तीन तरह के कदम उठाने की योजना है। पहला शॉर्ट-टर्म प्रोटेक्शन देना, ताकि पहचाने गए प्रोडक्ट खासकर चीन से प्रतिस्पर्धा का सामना कर सकें। मोबाइल फोन के शुरुआती वर्षों में भी इसी तरह की रणनीति अपनाई गई थी। दूसरे तरह के उपायों में 'कॉस्ट डिसएबिलिटी' को दूर करने के लिए इंसेंटिव देना शामिल है।

सूत्रों का कहना है कि ये कैपिटल इंसेंटिव के रूप में हो सकते हैं, या इन्हें अलग-अलग चरणों में दिया जा सकता है। ये टर्नओवर से भी जुड़े हो सकते हैं।

मुर्गी पालन के लिए 25 लाख तक की सब्सिडी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार किसानों और कृषि से जुड़े लोगों के लिए कई प्रकार की योजनाएं चलाती हैं। इसमें किसी प्रकार के बिजनेस शुरू करने के लिए लोन की सुविधा भी होती है। इस बीच सवाल यह है कि अगर किसी को मुर्गी पालन के लिए लोन चाहिए तो कैसे मिलेगा अगर कोई पोल्ट्री फार्म खोलना चाहता है और मुर्गी पालन करना चाहता है तो वह कहां से लोन



और वह भी सब्सिडी वाला लोन पा सकता है आइए इसके बारे में जानते हैं। इसके साथ ही हम लोन के लिए पात्रता, दस्तावेज और आवेदन से जुड़ी बड़ी जानकारी को भी जानेंगे।

मुर्गी पालन के लिए कई तरीके से लोन मिल सकता है। सरकारी और प्राइवेट दोनों ही बैंक आपको ऐसे लोन की सुविधा देते हैं। हालांकि, हम यहां बात राष्ट्रीय पशुधन मिशन की कर रहे हैं। आप मुर्गी पालन के लिए लोन को लेकर ऑनलाइन अप्लाई करके इसे पा सकते हैं। इसके लिए आपकी पात्रता, दस्तावेज और लोन की राशि मुख्य भूमिका निभा सकती हैं। अगर आप पात्र नहीं हैं तो आपको लोन नहीं मिल पाता है।

कोई भी पात्र किसान या व्यक्ति राष्ट्रीय पशुधन मिशन से मुर्गी पालन के लिए लोन पा सकता है। इसके तहत उसे मुर्गी पालन के प्रोजेक्ट में लगे कुल खर्च का करीब 50 फीसदी तक सब्सिडी मिल जाती है। यह सब्सिडी अधिकतम 25 लाख रुपये तक की होती है।

मान लीजिए, अगर आपको राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत मुर्गी पालन के लिए 50 लाख रुपये का लोन मिल जाता है तो आपको इसका 50 फीसदी यानी कि करीब 25 लाख रुपये तक सब्सिडी मिल सकती है। इसका फायदा यह होगा कि आपको केवल 25 लाख रुपये ही लोन की राशि के रूप में चुकाने होंगे। हालांकि, इसके लिए नियम और शर्तें लागू हैं, जिन्हें आप योजना की आधिकारिक वेबसाइट या जिस बैंक के जरिए लोन ले रहे हैं, वहां से पा सकते हैं।

कार की डिग्गी से 36 लाख, सिर्फ 3,000 से कपल ने शुरू किया था काम, आज लाखों का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है अहमदाबाद के एक कपल की। इनके नाम हैं - दर्शन और श्रुति जिंजुवाडिया। इन दोनों ने दिनभर थका देने वाली नौकरी के बावजूद अपनी रातों की नींद और आराम को किनारे रख खुद का वेंचर खड़ा किया। इसका नाम 'द कोको स्टेशन' है। सिर्फ 3,000 रुपये से कार की डिग्गी से इसकी शुरुआत हुई। यह वेंचर होम-मेड कोल्ड कॉफी की बिक्री करता है। कपल ने इससे 1.5 साल में 36 लाख रुपये की कमाई की है। आइए, यहां दर्शन और श्रुति की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।



दर्शन सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। उनकी पत्नी श्रुति हैं। जुलाई 2025 में दोनों ने सिर्फ 2,000-3,000 रुपये लगाकर अपने वेंचर की शुरुआत की। दोस्तों की सलाह पर उन्होंने ऐसा किया। घर में बने कोल्ड कोको की 14 बोतलें पहले ही दिन 40 मिनट के अंदर बिक गईं। फिर कपल ने इसे नियमित रूप से बेचने का फैसला किया। दिनभर वे अपनी-अपनी नौकरियां करते। दर्शन के ऑफिस से लौटते ही दोनों रात 9 बजे से 12 बजे तक अपनी कार की डिग्गी से फ्रेश होममेड कोल्ड कोको और कोल्ड कॉफी बेचते। अहमदाबाद के गोटा इलाके को उन्होंने अपने बिजनेस के लिए चुना। सोशल मीडिया और माउथ-पब्लिसिटी से जैसे-जैसे डिमांड बढ़ी, श्रुति ने अपनी अकाउंटिंग फर्म की नौकरी छोड़ दी। वह पूरा समय बिजनेस को देने लगीं। उनका डेली रूटीन बेहद अनुशासित है। सुबह श्रुति बिना किसी केमिकल या प्रिजर्वेटिव का इस्तेमाल किए अमूल गोल्ड मिल्क से शुद्ध ड्रिंक्स तैयार करती हैं।

रुपया एशिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली करेंसी, रघुराम राजन की सलाह से सरकार को मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। रुपये की गिरावट ने सरकार की टेंशन बढ़ा रखी है। 2026 में अब तक भारतीय करेंसी अपने मूल्य का 6 फीसदी गंवा चुकी है। पिछले तीन सत्रों में भी रुपया डॉलर के मुकाबले लुढ़का है। एशिया में यह सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्रा है। मई में रुपया एक समय 96.96 के रिकॉर्ड निचले स्तर तक लुढ़क गया था। इस खराब प्रदर्शन के बीच अब आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन की सलाह सामने आई है। उनका कहना है कि भारत को इस बात से घबराना नहीं चाहिए। न ही उसे अपनी करेंसी के स्तर के लिए किसी एक निश्चित आंकड़े को देखने की ही जरूरत है। राजन की यह सलाह सरकार को राहत देने का काम कर सकती है। बीते तीन सत्रों में डॉलर की तुलना में रुपया 77 पैसे कमजोर हुआ है। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय करेंसी टूटकर 95.22 के स्तर पर पहुंच गई। यह तब है जब भारत की अर्थव्यवस्था बेहद शानदार प्रदर्शन कर रही है। सोमवार को रुपये में 22 पैसे की गिरावट आई थी। इस साल अब तक रुपये की वैल्यू 6 फीसदी घट चुकी है। रघुराम राजन रॉयटर्स ग्लोबल मार्केट्स फोरम में पहुंचे थे। वह बोले, 'सबसे पहला रिएक्शन यही होना चाहिए कि घबराएं नहीं।' साथ ही उन्होंने आगाह किया कि अगर तेल के दाम ऊंचे बने रहते हैं तो इससे करंट अकाउंट डेफिसिट और बढ़ने के आसार हैं। ऐसे माहौल में करेंसी की वैल्यू में गिरावट जरूरी नहीं कि बुरी बात है। इससे आपको अपने एक्सपोर्ट को स्थिर करने में मदद मिलती है। आपके सामान ज्यादा प्रतिस्पर्धी बन जाते हैं। राजन ने कहा, 'मेरा नजरिया समझदारी अपनाने का होगा। मैं लंबी अवधि पर ध्यान दूंगा।

कोका-कोला की विदाई और 'डबल सेवन' का उदय: स्वदेशी राष्ट्रवाद का प्रयोग

नई दिल्ली,एजेंसी। वह भारत में बेहद उथल-पुथल का दौर था। 1977 में इमरजेंसी खत्म हुई थी। सत्ता परिवर्तन हुआ था। इंदिरा गांधी का 'गुरूर' टूटा था। उसी समय भारत के आर्थिक और व्यावसायिक इतिहास में एक ऐसा अनूठा दौर आया जब मल्टीनेशनल कंपनियों के खिलाफ लहर चली। 'स्वदेशी राष्ट्रवाद' को बोतलों में बंद करके उतारा गया। इसी वैचारिक पृष्ठभूमि ने कोका-कोला जैसे ग्लोबल ब्रांड की विदाई की स्क्रिप्ट लिखी। वहीं, भारत के पहले सरकारी कोला 'डबल सेवन' का जन्म हुआ।

साल 1977 की बात है। देश में इमरजेंसी खत्म हुई थी। इसके बाद मोरारजी देसाई के नेतृत्व में जनता पार्टी की सरकार सत्ता में आई। उसने फॉरेन एक्सचेंज रेगुलेशन एक्ट के नियमों का हवाला देकर विदेशी कंपनियों पर शिकंजा कसा। इनमें कोका-कोला और शामिल थीं। जॉर्ज फर्नांडिस तब उद्योग मंत्री थे। वह चाहते थे कि कोका-कोला अपनी हिस्सेदारी घटाए। साथ ही अपना सीक्रेट फॉर्मूला भी भारतीय शेयरहोल्डर्स से शेयर करे। हालांकि, कंपनी ने ट्रेड सीक्रेट का हवाला देकर फॉर्मूला देने से इनकार कर दिया। इस पर तत्कालीन सरकार ने कंपनी का लाइसेंस रद्द कर दिया। जवाब में स्वदेशी ड्रिंक 'डबल सेवन' को लॉन्च किया गया। इस नई स्वदेशी कोला का नाम 'डबल सेवन' बहुत सोच-समझकर रखा गया था। यह 1977 के ऐतिहासिक



राजनीतिक बदलाव के साल से जुड़ा था। इसकी मैन्युफैक्चरिंग और मार्केटिंग का जिम्मा सरकार के स्वामित्व वाली कंपनी 'मॉडर्न फूड इंडस्ट्रीज' को मिला। यह पहले 'मॉडर्न ब्रेड्स' बनाती थी। इस ड्रिंक का फॉर्मूला मैसूर में केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान से तैयार कराया गया था। प्रगति मैदान के सालाना व्यापार मेले में डबल सेवन को बड़े पैमाने पर 'आर्थिक आत्मनिर्भरता' के प्रतीक के रूप में पेश किया गया था। इसके लिए टैगलाइन थी- द टेस्ट दैट टिंगल्स। बाजार में उतरने पर डबल सेवन जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई। कैंपा कोला और थम्स अप जैसे ब्रांड्स से उसे कड़ी टक्कर मिली।

ताबड़तोड़ बिकवाली ने बना दिया है दबाव

एलटीसीजी और एसटीटी पर मंथन कर रहा बड़ा इशारा

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की ताबड़तोड़ बिकवाली ने सरकार पर दबाव बना दिया है। लुढ़कते शेयर बाजार में जान फूंकने के लिए उसका मंथन शुरू हो गया है। बजट 2027-28 से पहले ही इस समीक्षा ने साफ संकेत देने शुरू कर दिए हैं। इस बात की अटकलें तेज हो गई हैं कि LTCG (लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स) और (सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स) में कटौती हो सकती है। बदलाव के लिए निवेशकों, मार्केट एनालिस्ट और टैक्स जानकारों से सुझाव मांगे गए हैं। इनका कन्फर्मेशन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के हालिया बयान से भी होता है।

जिन प्रस्तावों पर विचार हो रह है, वे घरेलू और विदेशी दोनों तरह के निवेशकों पर लागू होंगे। ऐसी योजना पर भी गौर किया जा रहा है, जिसके तहत विदेशी निवेशकों को टैक्स कैलकुलेशन के लिए कैपिटल गेन्स को रुपये के बजाय डॉलर में कैलकुलेट करने की छूट दी जा सकती है। इस



कदम का मकसद बाजार के सेंटीमेंट को सुधारना है। 2018 में सरकार ने लिस्टेड शेयरों पर टैक्स को दोबारा लागू किया। इसके तहत सालाना 1 लाख रुपये से ज्यादा के मुनाफे पर 10 फीसदी टैक्स लगाया गया। इससे लॉन्ग-टर्म इक्विटी निवेशकों को पहले मिल रही छूट खत्म हो गई।

फिर 2020 में सरकार ने डिविडेंड डिस्ट्रीब्यूशन टैक्स व्यवस्था खत्म कर दी। डिविडेंड इनकम पर टैक्स की जिम्मेदारी शेयरहोल्डर्स पर डाल दी गई। इसके बाद से निवेशकों को मिलने वाले डिविडेंड पर लागू इनकम टैक्स स्लैब के हिसाब से टैक्स देना पड़ता है।

केंद्रीय बजट 2024-25 में सरकार ने कुछ खास इक्विटी निवेशों पर शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स को बढ़ाकर 20 फीसदी कर दिया। पहले यह 15 फीसदी था।

उसी बजट में शेयरों पर टैक्स की दर को भी 10 फीसदी से बढ़ाकर 12.5 फीसदी किया गया। वहीं, सालाना छूट की सीमा 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपये कर दी गई। वित्त वर्ष 2024-25 में से 1.3 लाख करोड़ रुपये की कमाई हुई। विदेशों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है।

सीतारमण दे चुकी हैं संकेत

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 13 अक्टूबर को राजधानी दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान इन टैक्स से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा था, 'इस पर काफी बहस चल रही है।' वित्त मंत्री बोली थीं, 'हम बजट के बहुत करीब हैं। उन्होंने बताया थी कि भारत और विदेश में निवेशकों के साथ हुई बातचीत में भी यह मुद्दा उठा था।

चीन में फटा 45.5 लाख करोड़ का बुलबुला

संकट के बीच भारत ने कर दी नए समीकरण की बात



नई दिल्ली, एजेंसी। चीन में टेक सेक्टर का बुलबुला फट चुका है। ढ्ढ की मांग में कमी और एक्सपोर्ट कंट्रोल के कारण यह सेक्टर धड़ाम हो गया है। इसने ढ्ढ और सेमीकंडक्टर सेक्टर की प्रमुख कंपनियों वाले 'मेनलैंड स्ञ्जऋ50' इंडेक्स को चार महीने से भी कम समय में 40 फीसदी तक लुढ़का दिया है। इससे करीब 480 अरब डॉलर (करीब 45.5 लाख करोड़ रुपये) स्वाहा हो चुके हैं। इस आर्थिक संकट के बीच भारत ने उसके साथ नए समीकरण बनाने की बात की है। उसने उम्मीद जताई है कि कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए वह आने वाले सालों में चीन को वस्तुओं और सेवाओं का एक प्रमुख एक्सपोर्टर बनकर उभरेगा।

एक ओर जहां ग्लोबल टेक शेयरों में अस्थिरता है। वहीं दूसरी तरफ चीन में ये पहले ही क्रैश हो चुके हैं। ढ्ढ की मांग को लेकर टेंशन है। जबकि चीनी एक्सपोर्ट कंट्रोल के चलते ऊंचे वैल्यूएशन धराशायी हो गए हैं। यह और बात है कि कीमतों के अनुचित पाए जाने पर भारत स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं के तहत एक्शन भी करेगा।

ग्लोबल बाजारों के लिए बुरा संकेत

यह ग्लोबल बाजारों के लिए बुरा संकेत है जो पहले से ही लड़खड़ा रहे हैं। इसके अलावा यह चीन की उन कोशिशों को भी झटका है, जिसके तहत वह अपने नागरिकों को सेविंग का पैसा शेयरों में लगाने के लिए बढ़ावा देने में लगा था। इसका मकसद यह था कि ढ्ढ सेक्टर के विकास को फंड मिल सके।

भारत ने कर दी समीकरण बदलने की बात

इस बीच भारत ने चीन के साथ समीकरण बदलने की बात कर दी है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत अपनी बढ़ती आयात जरूरतों को पूरा करने के लिए चीनी सप्लायरों का स्वागत करता है।

दुनिया में पहली बार एयर इंडिया में मिलेगा आयुर्वेद का स्पर्श

एमिरेट्स-एतिहाद की लग्जरी को चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। एमिरेट्स, स्विस, सिंगापुर और एतिहाद जैसी ग्लोबल एयरलाइंस को अपनी लग्जरी सुविधाओं के लिए जाना जाता है। अब एयर इंडिया ने अपनी फ्लाइट में दुनिया में पहली बार सबसे अलग प्रयोग करने का फैसला किया है। विदेशी यात्रियों को भारतीय संस्कृति का अनुभव कराने के लिए वह अपनी फ्लाइट में आयुर्वेद का स्पर्श लेकर आई है। उसने आयुर्वेदिक मार्मा मसाजर और स्किनकेयर युक्त नई एमिनिटी किट लॉन्च की है। इसे 'फॉरेस्ट एसेंशियल्स' के साथ पार्टनरशिप में पेश किया गया है। ग्लोबल एयरलाइंस में जहां पहले ही शावर स्पा, प्राइवेट सुइट जैसी सुविधाएं मिलती हैं, वहां एयर इंडिया अपनी नई पेशकश से लग्जरी में नई चुनौती पेश करेगी।

कई इंटरनेशनल एयरलाइंस अपनी फ्लाइट्स में 5-स्टार होटलों को मात देने वाली सुविधाएं देती हैं। इन सुविधाओं के कारण यात्रा का पूरा एक्सपीरियंस ही बदल जाता है।

उदाहरण के लिए एतिहाद एयरवेज को लेते हैं। इसकी 'द रेजिडेंस' सर्विस आसमान में तीन कमरों का सुइट है। इसमें डबल बेड वाले एक निजी बेडरूम के अलावा एक अलग लिंविंग रूम मिलता है। शॉवर की अलग से



सुविधा है। यही नहीं, ड्राइवर के साथ कार की फैसिलिटी और होटल या घर से ही चेक-इन की सुविधा भी मिलती है।

इसी तरह की लग्जरी फैसिलिटी और भी कई अन्य इंटरनेशनल एयरलाइंस देती हैं। मसलन, स्विस इंटरनेशनल एयरलाइंस 'फर्स्ट ग्रैंड सुइट' की पेशकश करती है। फर्स्ट-क्लास के दो सुइट्स मिलाकर इसमें एक प्राइवेट कमरा बनाया गया है। इसका इस्तेमाल बेडरूम, मीटिंग रूम या ऑफिस के तौर पर किया जा सकता है। इसमें बड़े आराम से तीन यात्री तक रह सकते हैं।

सिंगापुर एयरलाइंस प्राइवेसी का ध्यान रखते हुए पूरी तरह से बंद प्राइवेट सुइट्स ऑफर करती है। इनमें अलग बेड, रोटेटिंग लेदर चेयर्स और कई शानदार सुविधाएं मौजूद हैं। इन इंटरनेशनल एयरलाइंस का सबसे ज्यादा फोकस यात्रियों के खाने पर भी होता है। इसके लिए इन्होंने मिशेलिन-स्टार शेफ के साथ कोलैबरेशन किया है। ये एयरलाइंस पैसेंजर्स को उनकी पंसद के समय उनके कहे अनुसार खाना सर्व करती हैं। ब्रिटिश एयरवेज या कतर एयरवेज जैसी एयरलाइनों में भी यात्रियों के आराम के लिए लग्जरी पजामा और दूसरी किट मिलती हैं। शोर को दूर करने के लिए हेडफोन दिया जाता है।

संपादकीय

पैरा एशियाड में दिखी दिव्यांगों की दिव्यता

जापान के आईची-नागोया में संपन्न पैरा एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने नया इतिहास रचा है। अब तक हुए पैरा एशियन खेलों में हमारे खिलाड़ियों का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में तीस स्वर्ण व पैंतीस रजत पदकों समेत कुल 114 पदक भारत की झोली में डाले। जबकि 2023 के पैरा एशियन गेम्स में एक बड़े दल ने 108 मेडल ही जीते थे। इस बार के खिलाड़ियों का दल पिछले के मुकाबले छोटा था, मगर उपलब्धियां बड़ी रही। एक ओर जहां जापान में संपन्न एशियाई खेलों में भारतीय दल पांचवें स्थान पर रहा था, वहीं पैरा खिलाड़ियों की कामयाबी ने देश को एशिया में चौथे नंबर का विजेता बनाया है। आईची-नागोया में संपन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने कई नए रिकॉर्ड बनाये और कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं। जापान में पहली बार आयोजित इन खेलों में एशिया के 45 देशों व क्षेत्रों के चार हजार खिलाड़ी व कोच आदि शामिल थे। इन खेलों का पहला संस्करण वर्ष 2010 में चीन के ग्वांगझू में आयोजित हुआ था। निश्चय ही भारतीय खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, लगन व आत्मविश्वास से यह असामान्य कामयाबी हासिल की है। इन खिलाड़ियों की यह सफलता हर किसी भारतीय के लिये प्रेरणादायक है कि किसी भी तरह की शारीरिक अपूर्णता हमारे इरादों को कमजोर नहीं कर सकती है। हमें हर चुनौती में सकारात्मक रहते हुए अपने लक्ष्य हासिल करने चाहिए। हम बड़े सपने देख सकते हैं और कड़ी मेहनत व लगन से उन्हें हकीकत में बदल सकते हैं।आईची-नागोया में संपन्न पैरा एशियाड खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने हर क्षेत्र में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करवायी है। पैरा एथलेटिक्स खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। जिसमें कुल पैंसठ पदक जीते गए। इसके अलावा पदकों के अनुपात में यह कामयाबी बैडमिंटन, तैराकी और तीरंदाजी में रही। वहीं निशानेबाजी,टेबल-टेनिस, जूडो और पावरलिफ्टिंग में भी हमने पदक जीते। इन्हीं कामयाबियों से हम अब तक के पैरा एशियन गेम्स में सर्वश्रेष्ठप्रदर्शन करने में कामयाब रहे। कल्पना की जा सकती है कि हमारे पैरा खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिये कितनी मेहनत की होगी। एक तो विभिन्न किस्म की शारीरिक चुनौतियों व अपूर्णताओं से जूझना और फिर एशिया स्तर तक के मुकाबले के लिये योग्यता हासिल करना। कहावत है कि 'सुबह जिसकी हुई, वह सचमुच सारी रात नहीं सोया होगा।' कहने का अभिप्राय यह है कि जब किसी व्यक्ति को कोई सफलता मिलती है तो उसके पीछे उसका लंबा त्याग, संघर्ष और मेहनत शामिल होती है। खासकर उस समाज में जहां दिव्यांगों को हेय भाव से देखा जाता है। हमारा सामाजिक ढांचा अब तक ऐसा नहीं बन पाया है।

जंतर-मंतर पर प्रतिबंध, फिर भी सड़कों पर आंदोलन

विपक्ष का काम केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करना और जनता के सामने वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करना भी है। यदि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाता है, तो उसे ठोस साक्ष्य, व्यवस्थित शिकायतें और तथ्यात्मक तर्क सामने रखने चाहिए। केवल नारों और राजनीतिक आरोपों से जनता का विश्वास लंबे समय तक कायम नहीं रखा जा सकता। साथ ही, सरकार को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की हर आलोचना को राजनीतिक षड्यंत्र बताकर खारिज कर देना समस्या का समाधान नहीं है।



सौरभ वार्ष्णेय

वोट चोरी के आरोपों से शुरू हुआ आंदोलन, सरकार की जवाबदेही, विपक्ष की भूमिका और युवाओं की बेचैनी के बीच लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने कई सवाल खड़े कर रहा है। देश में चुनावी पारदर्शिता और कथित वोट चोरी को लेकर शुरू हुआ आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। दो अक्टूबर से शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक माहौल लगातार गर्म बना हुआ है। जंतर-मंतर जैसे निर्धारित स्थानों पर प्रदर्शन से संबंधित प्रतिबंधों और प्रशासनिक सीमाओं के बीच आंदोलन की आवाज सड़कों तक सुनाई दे रही है।

विपक्षी दलों के साथ युवाओं की भागीदारी और स्वतंत्र रूप से अपनी बात रखने वाले यूट्यूबरों तथा डिजिटल पत्रकारों की सक्रियता ने इस मुद्दे को एक नया आयाम दिया है। सवाल यह है कि क्या इस आंदोलन को केवल राजनीतिक विरोध के रूप में देखा जाना चाहिए, या फिर इसके पीछे लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास से जुड़ी चिंताओं को भी समझने की आवश्यकता है?

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां चुनाव केवल सरकार बनाने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की इच्छा व्यक्त करने का सबसे महत्वपूर्ण अवसर हैं। मतदाता अपने मत के जरिए सत्ता को स्वीकार करता है और आवश्यकता पडऩे पर उसे बदलने का अधिकार भी रखता है। इसलिए चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर उठने वाले सवालों को गंभीरता से सुनना लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। हालांकि, वोट चोरी जैसे गंभीर आरोपों को प्रमाणों और तथ्यों के आधार पर परखा जाना भी उतना ही आवश्यक है। आरोप लगाना और आरोप सिद्ध होना दो अलग-अलग बातें हैं। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि न तो सवाल पूछने वालों को बिना सुने खारिज किया जाए और न ही बिना प्रमाण किसी आरोप को अंतिम सत्य मान लिया जाए।

किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के सामने विरोध प्रदर्शनों से निपटने की चुनौती रहती है। सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन का दायित्व है, लेकिन इस जिम्मेदारी का निर्वहन करते समय नागरिकों के शांतिपूर्ण विरोध और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान भी जरूरी है। यदि किसी स्थान पर सुरक्षा, यातायात या कानून-व्यवस्था से संबंधित प्रतिबंध लगाए जाते हैं, तो उनके पीछे स्पष्ट कारण होने चाहिए और उनका पालन निष्पक्ष तरीके से कराया जाना चाहिए।

सरकार की आलोचना करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को व्यवस्था विरोधी मान लेना उचित नहीं है। उसी प्रकार आंदोलन के नाम पर कानून तोडऩे या आम नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित करने को भी सही नहीं ठहराया जा सकता। लोकतंत्र में सरकार और प्रदर्शनकारियों, दोनों से जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा की जाती है।

यदि आंदोलन को लेकर यह धारणा बनती है कि सरकार असहमति की आवाज को जनता तक पहुंचने से रोकना चाहती है, तो इससे राजनीतिक अविश्वास बढ़ सकता है। दूसरी ओर, यदि आंदोलनकारी तथ्यों के बजाय केवल भावनाओं के आधार पर दावे करते हैं, तो उनकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। बेहतर रास्ता यही है कि चुनावी शिकायतों की निष्पक्ष जांच हो, संबंधित संस्थाएं तथ्यों के साथ जवाब दें और जनता के सामने स्थिति स्पष्ट की जाए। विपक्ष का काम केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करना और जनता के सामने वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करना भी है।

यदि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाता है, तो उसे ठोस साक्ष्य, व्यवस्थित शिकायतें और तथ्यात्मक तर्क सामने रखने चाहिए। केवल नारों और राजनीतिक आरोपों से जनता का विश्वास लंबे समय तक कायम नहीं रखा जा सकता।

साथ ही, सरकार को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की हर आलोचना को राजनीतिक षड्यंत्र बताकर खारिज कर देना समस्या का समाधान नहीं है। लोकतंत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी अवश्य हैं, लेकिन दोनों की जवाबदेही अंततः जनता के प्रति है। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता भी इसी में है कि उसके निर्णयों, प्रक्रियाओं और शिकायत निवारण व्यवस्था पर जनता का भरोसा बना रहे।

इस आंदोलन के बीच यूट्यूबरों और स्वतंत्र डिजिटल पत्रकारों की भूमिका विशेष रूप से ध्यान खींचती है। पहले समाचारों और राजनीतिक विमर्श पर मुख्यधारा के मीडिया संस्थानों का अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव था, लेकिन इंटरनेट और सोशल मीडिया ने आम नागरिकों को भी अपनी बात व्यापक स्तर पर रखने का अवसर दिया है।

आज कोई युवा घटनास्थल से वीडियो साझा कर सकता है, किसी सरकारी दावे की पड़ताल कर सकता है और उन मुद्दों को सामने ला सकता है जिन्हें पर्याप्त जगह नहीं मिल रही हो। यह बदलाव लोकतंत्र के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। स्वतंत्र डिजिटल पत्रकारिता सत्ता से सवाल पूछने और जनता की समस्याओं को सामने लाने में उपयोगी हो सकती है। लेकिन हर यूट्यूबर स्वतः पत्रकार नहीं बन जाता। विश्वसनीय पत्रकारिता के लिए तथ्यों की पुष्टि, दोनों पक्षों को सुनना, स्रोतों की जांच करना और गलत सूचना फैलाने से बचना अनिवार्य है। वायरल होना और विश्वसनीय होना अलग-अलग बातें हैं।

युवाओं की अपेक्षाएं बदल रही हैं। वे केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि उनके परिणाम भी देखना चाहते हैं। वे जानना चाहते हैं कि रोजगार के अवसर कितने बढ़े, शिक्षा कितनी सुलभ हुई, सरकारी संस्थाओं में पारदर्शिता कितनी मजबूत हुई और उनकी समस्याओं पर कितनी गंभीरता से कार्रवाई की गई। यह जरूरी नहीं कि आंदोलन में शामिल प्रत्येक युवा किसी एक राजनीतिक विचारधारा का समर्थक हो। कई बार असंतोष का कारण किसी दल के प्रति समर्थन या विरोध से अधिक अपने भविष्य को लेकर चिंता होती है।

सरकार के लिए यह अवसर है कि वह युवाओं की शिकायतों को सुने, उपलब्धियों के साथ कमियों पर भी स्पष्टता से बात करे और ठोस नीतिगत समाधान सामने रखे।

वोट चोरी के आरोपों से जुड़े आंदोलन का वास्तविक निष्कर्ष नारों, रैलियों या राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि तथ्यों, जांच और संस्थागत पारदर्शिता से निकलेगा। जंतर-मंतर पर प्रतिबंध हो या सड़कों पर विरोध, लोकतंत्र की असली परीक्षा इस बात में है कि असहमति के लिए कितनी जगह बची है और सवालों के जवाब कितनी ईमानदारी से दिए जाते हैं।

आखिरकार, लोकतंत्र केवल बहुमत से सरकार बनाने का नाम नहीं है। वह जनता के विश्वास, संस्थाओं की निष्पक्षता और नागरिकों के सवाल पूछने के अधिकार से भी मजबूत होता है।

भगवान केवल आस्था नहीं, अनुभूति और चिंतन का विषय

यशवंत गोरे

पांडुरंगशास्त्री आठवले का मानना था कि ईश्वर केवल आकाश में या मंदिरों में नहीं, बल्कि प्रत्येक मनुष्य के हृदय में विराजमान है। मनुष्य के भीतर मौजूद इसी ईश्वर पर विश्वास रखने और हर व्यक्ति में ईश्वर का अंश देखने का संदेश देने वाले दादाजी ने स्वाध्याय आंदोलन के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। उनका निधन 25 अक्टूबर 2003 को हुआ था। उनकी पुण्यतिथि पर उनके विचारों और समाज के लिए किए गए कार्यों को याद करना, वास्तव में मनुष्य के भीतर छिपी अच्छाइयों को पहचानने का अवसर है।

पांडुरंगशास्त्री आठवले का जन्म 19 अक्टूबर 1920 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के रोहा में हुआ था। उनके पिता वैजनाथ शास्त्री संस्कृत के विद्वान और व्याकरण के ज्ञाता थे। उनके दादा लक्ष्मणशास्त्री भी विद्वान होने के साथ समाज सुधार की भावना रखते थे। वे हरिजन बस्तियों में जाकर लोगों को ज्ञान और सद्विचारों से जोड़ते थे। ऐसे पारिवारिक संस्कारों ने दादाजी के व्यक्तित्व को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बचपन से ही दादाजी की रुचि भारतीय दर्शन, संस्कृत और भगवद्गीता में थी। उन्होंने न्याय, व्याकरण और भारतीय दर्शन का गहरा अध्ययन किया। आधुनिक ज्ञान-विज्ञान और विभिन्न विचारधाराओं को भी समझा। उनका उद्देश्य केवल विद्वान बनना नहीं था, बल्कि ज्ञान को आम आदमी के जीवन से जोड़ना था। उन्होंने भगवद्गीता के विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लिया। उनका मानना था कि धर्म का उद्देश्य केवल पूजा-पाठ और कर्मकांड तक सीमित नहीं होना चाहिए। धर्म मनुष्य के व्यवहार में दिखाई देना चाहिए। उसके विचारों और कर्मों से समाज में प्रेम, आत्मीयता और समानता बढ़नी चाहिए।

दादाजी ने अक्टूबर 1955 में ठाणे में तत्वज्ञान विद्यापीठ की स्थापना की। यहां भारतीय दर्शन और संस्कृति के अध्ययन के साथ समाज को जागरूक करने का कार्य भी शुरू हुआ। विभिन्न वर्गों के लोगों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में धर्म, संस्कृति, भारतीय दर्शन और जीवन-मूल्यों पर चर्चा होती थी। मार्च 1958 में उन्होंने 18 युवा स्नातकों के साथ 'भक्तिफेरी' का प्रयोग शुरू किया। इसके अंतर्गत स्वाध्यायी गांव-गांव जाकर लोगों से मिलते, उन्हें भगवद्गीता और उपनिषदों के विचारों से परिचित कराते तथा आत्मसम्मान और आपसी भाईचारे का संदेश देते थे। इस कार्य की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि स्वाध्यायी जिन गांवों में जाते, वहां के लोगों पर आर्थिक बोझ नहीं डालते थे। वे बिना किसी आर्थिक अपेक्षा के सेवा करते थे। दादाजी के लिए भक्ति का अर्थ केवल ईश्वर के सामने सिर झुकाना नहीं, बल्कि ईश्वर की बनाई हुई सृष्टि और उसके प्रत्येक मनुष्य के प्रति प्रेम रखना था।

दादाजी ने आध्यात्मिक विचारों को व्यावहारिक जीवन से जोड़ने के लिए अनेक प्रयोग किए। 'योगेश्वर कृषि', 'वृक्ष मंदिर', 'मत्स्यगंधा' और 'लोकनाथ अमृतालय' जैसे उपक्रमों के माध्यम से लोगों को सामूहिक श्रम, सहयोग और आत्मनिर्भरता की प्रेरणा दी गई। 'वृक्ष मंदिर' योजना के अंतर्गत स्वाध्याय परिवार वालों ने शासन से हजारों एकड़ बंजर जमीन पट्टे पर लेकर वृक्ष लगाए। इससे पर्यावरण संरक्षण में भी सहायता मिली उनका मानना था कि वृक्ष में भगवान हैं... यह केवल आस्था नहीं, अनुभूति और चिंतन का विषय है। उनका कहना था कभी एक पल वृक्ष के पास बैठकर सोचिए...हम जड़ों में पानी देते हैं, लेकिन वही जल धरती से ऊपर उठकर शाखाओं और पत्तों तक कैसे पहुँचता है? एक विशाल वृक्ष बिना किसी स्वार्थ के हमें छाया देता है, प्राणवायु देता है, फल-फूल देता है और जीवन को सहारा देता है। वृक्ष कहता है: 'मेरी छांव में थोड़ा बैठिए, आपको शांति मिलेगी और मुझे आपका साथ।' परम पूज्य पांडुरंग शास्त्री आठवलेजी द्वारा प्रेरित 'वृक्ष मंदिर' का भाव हमें प्रकृति में परमात्मा की अनुभूति करने, वृक्षों से प्रेम करने और उनकी सेवा व रक्षा करने की प्रेरणा देता है। 'योगेश्वर कृषि' के माध्यम से खेती को सामूहिक भक्ति और सामाजिक सहयोग से जोड़ने का प्रयास हुआ। 'मत्स्यगंधा' प्रयोग में मछुआरा समुदाय के लोगों को अपनी आजीविका और सामूहिक विकास के लिए प्रेरित किया गया। वृक्ष मंदिर जैसे प्रयोगों ने प्रकृति के प्रति सम्मान और सामाजिक एकता की भावना को मजबूत किया। इन प्रयोगों का उद्देश्य केवल आर्थिक समृद्धि नहीं था। दादाजी चाहते थे कि लोगों में यह भावना विकसित हो कि वे समाज पर बोझ नहीं, बल्कि समाज की शक्ति हैं।

फिर हवा खराब: प्रदूषण की लौटती समस्या और हमारी जिम्मेदारी

बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएँ तथा पहले से हृदय या फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोग विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं। प्रदूषण के दिनों में खाँसी, आँखों में जलन, सांस लेने में परेशानी और अस्थमा के लक्षण बढ़ सकते हैं। इसका प्रभाव शिक्षा, कामकाज और जीवन की गुणवत्ता पर भी पड़ता है। जब बच्चे खुले मैदान में खेलने से बचने लगें, बुजुर्ग सुबह की सैर न कर सकें और लोगों को सामान्य गतिविधियाँ सीमित करनी पड़ें, तो यह केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का संकट बन जाता है।

डॉ. विजय गर्ग

हवा जीवन का आधार है। मनुष्य भोजन के बिना कई दिन और पानी के बिना कुछ समय तक जीवित रह सकता है, लेकिन हवा के बिना कुछ मिनट भी जीवन की कल्पना करना कठिन है। इसके बावजूद विडंबना यह है कि जिस हवा पर हमारा अस्तित्व निर्भर है, उसी को हम अपनी गतिविधियों से लगातार प्रदूषित कर रहे हैं। हर वर्ष मौसम बदलने के साथ एक बार फिर समाचार सुनाई देने लगते हैं–हवा खराब हो गई है, वायु गुणवत्ता गिर रही है और लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। सवाल उठता है कि आखिर हर साल हवा खराब क्यों हो जाती है और हम इससे स्थायी मुक्ति क्यों नहीं पा रहे हैं?

हर साल लौटता प्रदूषण का संकट

भारत के अनेक शहरों, विशेषकर उत्तर भारत में, सर्दियों के दौरान वायु प्रदूषण गंभीर समस्या बन जाता है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों में धुंध, धुएँ और प्रदूषक कणों का मिश्रण वातावरण को प्रभावित करता है। पराली जलाना इस समस्या का एक कारण है, लेकिन इसे ही संपूर्ण समस्या मान लेना वास्तविकता को अधूरा समझना होगा।

वाहनों से निकलने वाला धुआँ, उद्योगों का उत्सर्जन, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, सड़कों की धूल, कचरा जलाना, घरेलू ईंधन और बिजली उत्पादन से होने वाला प्रदूषण भी हवा की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। सर्दियों में हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ जाता है।

इसलिए हवा की खराब गुणवत्ता किसी एक दिन, एक शहर या एक किसान की समस्या नहीं है। यह हमारी विकास व्यवस्था, ऊर्जा के उपयोग, परिवहन प्रणाली और पर्यावरण के प्रति हमारी सामूहिक लापरवाही से जुड़ी हुई चुनौती है।

पराली: समस्या और समाधान दोनों पर विचार जरूरी

फसल कटाई के बाद खेतों में बची पराली को जल्दी हटाने के लिए कुछ किसान उसे जला देते हैं। सीमित समय, अगली फसल की तैयारी, श्रम की लागत और मशीनों तक पहुंच जैसी समस्याएँ इस व्यवहार को बढ़ावा दे सकती हैं। पराली जलने से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण में योगदान देता है।

लेकिन किसानों को केवल दोषी ठहराने से समस्या हल नहीं होगी। उन्हें सस्ती मशीनें, समय पर सहायता, फसल अवशेष प्रबंधन के व्यावहारिक विकल्प और आर्थिक प्रोत्साहन उपलब्ध कराना आवश्यक है। पराली से जैव-ईंधन, कम्पोस्ट, पशु-आहार के उपयुक्त विकल्प तथा औद्योगिक उपयोग की संभावनाओं को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जहाँ वे तकनीकी और आर्थिक रूप से व्यवहार्य हों।

किसानों को पर्यावरण संरक्षण का भागीदार बनाना होगा, न कि समस्या का अकेला जिम्मेदार।

बच्चों और बुजुर्गों पर अधिक प्रभाव

प्रदूषित हवा का प्रभाव केवल दिखाई देने वाली धुंध तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद सूक्ष्म कण, विशेषकर पीएम 2.5, फेफड़ों में गहराई तक पहुँच सकते हैं। लंबे समय तक इनके संपर्क में रहने से हृदय और श्वसन संबंधी बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है।

बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएँ तथा पहले से हृदय या फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोग विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं। प्रदूषण के दिनों में खाँसी, आँखों में जलन, सांस लेने में परेशानी और अस्थमा के लक्षण बढ़ सकते हैं।

इसका प्रभाव शिक्षा, कामकाज और जीवन की गुणवत्ता पर भी पड़ता है। जब बच्चे खुले मैदान में खेलने से बचने लगें, बुजुर्ग सुबह की सैर न कर सकें और लोगों को सामान्य गतिविधियाँ सीमित करनी पड़ें, तो यह केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का संकट बन जाता है।

केवल सलाह नहीं, ठोस कार्रवाई चाहिए

वायु प्रदूषण के दौरान लोगों को मास्क पहनने, बाहर की गतिविधियाँ कम करने और सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। ये उपाय कुछ परिस्थितियों में उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन इनसे प्रदूषण के मूल कारण समाप्त नहीं होते।

सरकारों को प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करके नियमित निगरानी करनी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाना, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रित करना, कचरा खुले में जलाने पर प्रभावी रोक लगाना और औद्योगिक उत्सर्जन के नियमों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है।

शहरों में केवल पौधे लगाने के अभियानों के बजाय मौजूदा पेड़ों और हरित क्षेत्रों की रक्षा भी जरूरी है। पेड़ पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वे वाहन उत्सर्जन, औद्योगिक धुएँ और खुले में कचरा जलाने का विकल्प नहीं बन सकते। प्रदूषण कम करने के लिए स्रोत पर नियंत्रण सबसे प्रभावी रणनीतियों में से एक है। राज्यों के बीच समन्वय भी आवश्यक है, क्योंकि हवा प्रशासनिक सीमाओं को नहीं मानती। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और अन्य प्रभावित क्षेत्रों को साझा वैज्ञानिक जानकारी, बेहतर योजना और निरंतर कार्रवाई के आधार पर काम करना चाहिए।

नागरिक क्या कर सकते हैं? प्रत्येक नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण है। छोटी-छोटी आदतें मिलकर सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं।

- निजी वाहन के स्थान पर जहाँ संभव हो, सार्वजनिक परिवहन, साइकिल या साझा वाहन का उपयोग करें।
- कचरा, पत्तियाँ और कृषि अवशेष खुले में न जलाएँ।
- बिजली और ईंधन की अनावश्यक खपत कम करें।
- स्थानीय वायु गुणवत्ता सूचकांक की जानकारी रखें और प्रदूषण अधिक होने पर बाहरी गतिविधियों में सावधानी बरतें।
- बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन रोगियों की विशेष देखभाल करें।
- प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों की सूचना संबंधित अधिकारियों को दें और पर्यावरण संबंधी जन-जागरूकता में भाग लें।

प्रदूषण अधिक होने पर अच्छी गुणवत्ता वाला, सही फिटिंग का एन95 या समकक्ष रेस्पिरेटर सूक्ष्म कणों के संपर्क को कम करने में मदद कर सकता है। हालांकि, कोई भी मास्क सभी प्रदूषकों से पूर्ण सुरक्षा नहीं देता।

सर्दी से पहले जागना होगा

हर साल हवा खराब होने पर चिंता व्यक्त करना और कुछ दिनों बाद सब कुछ भूल जाना पर्याप्त नहीं है। यदि प्रदूषण के कारण हर वर्ष वही संकट लौटता है, तो इसका अर्थ है कि हमारे समाधान अभी पर्याप्त प्रभावी नहीं हैं।

स्वच्छ हवा किसी विशेष वर्ग का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की बुनियादी आवश्यकता है। इसे सुनिश्चित करना सरकार, उद्योग, किसानों और आम नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है।



करवा चौथ पर प्रियंका का फिल्मी अवतार उड़ा देगा आपके होश

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा भले ही विदेश में बस गई हों और हॉलीवुड में अपने नाम का डंका बजा रही हों, लेकिन उनका दिल आज भी पूरी तरह से हिंदुस्तानी है। प्रियंका अपनी जड़ों से गहराई से जुड़ी हुई हैं और इसका सबूत वह हर भारतीय त्योहार को पूरे विधि-विधान से मनाकर देती हैं। हर साल की तरह इस साल भी प्रियंका ने अपने पति और अमेरिकी सिंगर निक जोनास के लिए करवा चौथ का व्रत रखा।

हाल ही में प्रियंका ने अपने इस खास करवा चौथ सेलिब्रेशन की कुछ बेहद खूबसूरत झलकियां फैंस के साथ शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह निक जोनास और अपनी प्यारी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनास के साथ इस पवित्र त्योहार का जश्न मनाती नजर आ रही हैं।करवा चौथ के इस पावन मौके पर प्रियंका चोपड़ा का लुक हमेशा की तरह चर्चा का विषय बन गया है। इस बार उन्होंने किसी भारी-भरकम लहंगे या साड़ी के बजाय एक बेहद खूबसूरत और पारंपरिक 'लाल सूट' को चुना। सुर्ख लाल रंग के इस सूट में प्रियंका की सादगी और उनका देसी अंदाज देखते ही बन रहा था। मांग में निक के नाम का सिंदूर, गले में मंगलसूत्र, हाथों में लाल चूड़ियां, कानों में झुमके और माथे पर छोटी सी बिंदी उनके करवा चौथ लुक को एकदम परफेक्ट बना रहे थे। हॉलीवुड की चकाचौंध के बीच उनका यह पारंपरिक अवतार फैंस को अपना दीवाना बना रहा है। प्रियंका के इस करवा चौथ सेलिब्रेशन की एक और सबसे खास बात उनकी मेहंदी रही। अक्सर सेलेब्रिटीज इस मौके पर प्रोफेशनल आर्टिस्ट से मेहंदी लगवाते हैं, लेकिन प्रियंका ने अपने बिजी शेड्यूल के बीच 'DIY मेहंदी' का विकल्प चुना। उन्होंने खुद ही अपने हाथों पर बहुत ही सिंपल और प्यारा सा मेहंदी का डिजाइन लगाया। उनकी यह 'DIY मेहंदी' इस बात का सबूत है कि त्योहारों की असली खुशी किसी बड़े तामझाम में नहीं, बल्कि उन छोटी-छोटी रस्मों को खुद निभाने में होती है। निक ने भी हर बार की तरह अपनी पत्नी का इस व्रत में पूरा साथ दिया। वायरल हो रही तस्वीरों में प्रियंका को पारंपरिक तरीके से छलनी से चांद और फिर अपने पति निक का चेहरा देखते हुए देखा जा सकता है।



'गर्लफ्रेंड को कॉन्सर्ट में कभी नहीं ले जाना'

जाह्नवी कपूर की डेटिंग सलाह पर सोशल मीडिया पर छिड़ी जंग

बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर अपने एक बयान को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना कर रही हैं। करण जौहर के चर्चित चैट शो 'कॉफी विद करण' में जाह्नवी ने अभिनेता वीर पहाड़िया को डेटिंग से जुड़ी एक सलाह दी, जो अब चर्चा का विषय बन गई है। अभिनेत्री ने महज एक लाइन में कहा, 'उसे कभी कॉन्सर्ट में मत ले जाना।'

जाह्नवी की इस टिप्पणी को सोशल मीडिया यूजर्स वीर की एक्स गर्लफ्रेंड तारा सुतारिया और सिंगर एपी ढिल्लों के मुंबई कॉन्सर्ट से जुड़े पुराने विवाद से जोड़कर देख रहे हैं। कई लोगों ने इसे एक दूसरी महिला पर निशाना साधने वाला मजाक बताया है। हालांकि, शो में जाह्नवी ने इस टिप्पणी के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं की।

'कॉफी विद करण' के रैपिड-फायर राउंड में करण जौहर ने जाह्नवी कपूर से पूछा कि वह वीर पहाड़िया को क्या डेटिंग सलाह देना चाहेंगी। इस पर जाह्नवी ने तुरंत जवाब दिया, 'कॉन्सर्ट में कभी मत ले जाना।' उनके इस जवाब के बाद करण जौहर, वरुण धवन और शो में खास मौजूदगी दर्ज कराने वाले अर्जुन कपूर की प्रतिक्रियाएं भी देखने को मिलीं। जाह्नवी की यह टिप्पणी सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई। कुछ लोगों को उनका जवाब मजाकिया लगा, लेकिन कई यूजर्स ने इसे अनुचित बताते हुए अभिनेत्री की आलोचना की। एक यूजर ने लिखा कि दूसरी महिलाओं को नीचा दिखाना मजेदार नहीं, बल्कि शर्मनाक है। वहीं, एक अन्य यूजर ने टिप्पणी की कि हैम्पर जीतने के लिए जाह्नवी ने इतना गिरा हुआ मजाक किया। कुछ लोगों ने निराशा जताई कि अभिनेत्री ने किसी दूसरी महिला को मजाक का विषय बनाने के बजाय इस टिप्पणी से बचने का विकल्प क्यों नहीं चुना। जाह्नवी के बयान को तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया के पुराने रिश्ते से जोड़कर देखा जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक तारा और वीर ने साल 2025 की शुरुआत में एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया और उनके इटली में छुट्टियां मनाने की खबरें भी सामने आई थीं। जुलाई 2025 में दोनों ने इंस्टाग्राम पर अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। हालांकि, करीब छह महीने बाद उनके अलग होने की खबरें सामने आईं, लेकिन दोनों ने ब्रेकअप की सटीक वजह सार्वजनिक रूप से नहीं बताई। दिसंबर 2025 में तारा सुतारिया एपी ढिल्लों के मुंबई कॉन्सर्ट में उनके साथ स्टेज पर नजर आई थीं। इस दौरान सिंगर ने तारा को गले लगाया और उनके गाल पर किस किया।



माधुरी दीक्षित संग थिरकीं शरवरी वाघ



शरवरी वाघ इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर चर्चा में हैं, जो जल्दी ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में उनके साथ आयुष्मान खुराना लीड रोल में नजर आएंगे। इस बीच राजश्री सिनेमा की विरासत को खास अंदाज में सेलिब्रेट करते हुए अभिनेत्री शरवरी ने दिग्गज एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित के साथ डांस किया। दोनों ने शरवरी की आने वाली फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के टाइटल ट्रैक पर डांस करते हुए एक वीडियो शेयर किया है और अपना एक्सपीरियंस साझा किया है। यह पल इसलिए भी खास रहा, क्योंकि इसमें हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री माधुरी और सूरज बड़जात्या की अगली फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी एक साथ नजर आईं। माधुरी दीक्षित का नाम सूरज बड़जात्या की सुपरहिट फिल्म 'हम आपके हैं कौन..!' से जुड़ा हुआ है। इस फिल्म के गाने, डांस और पारिवारिक माहौल को आज भी लोग पसंद करते हैं। वहीं, शरवरी अब सूरज बड़जात्या की अगली फिल्म में आयुष्मान खुराना के साथ नजर आएंगी।

पाकिस्तान पर चढ़ा रणबीर कपूर की 'रामायण' का रंग

रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी जैसे सितारों से सजी फिल्म 'रामायण' साल 2026 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। दर्शक इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म का क्रेज सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि दूसरे देशों में भी देखने को मिल रहा है। पाकिस्तान में भी 'रामायण' को लेकर काफी बज बना हुआ है।



नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'रामायण' को लेकर पाकिस्तान के कराची में रहने वाले हिंदू समुदाय के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। यहां एक मंदिर में रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश की फिल्म का पोस्टर लगाया गया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ लोग फिल्म की तारीफ करते और इसकी पूरी टीम को शुभकामनाएं देते नजर आ रहे हैं। कुछ लोगों ने फिल्म की सफलता की कामना की, तो कुछ ने इसके ऑस्कर जीतने की उम्मीद भी जताई।दरअसल, पाकिस्तान के कराची में रहने वाले एक यूट्यूबर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वहां के हिंदू समुदाय के कुछ लोग फिल्म 'रामायण' को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में लोग मंदिर में फिल्म का पोस्टर लगाते दिख रहे हैं। इस दौरान उन्होंने रणबीर कपूर, साई पल्लवी और फिल्म के निर्देशक नितेश तिवारी को शुभकामनाएं दीं। कुछ लोगों ने उम्मीद जताई कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करेगी और दुनियाभर में अपनी पहचान बनाएगी। वहीं, कुछ लोगों ने फिल्म के ऑस्कर जीतने की भी कामना की। पाकिस्तान में फिल्म को लेकर लोगों का उत्साह सामने आने के बाद अब इसकी रिलीज को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक और सैन्य तनाव के चलते पाकिस्तानी सिनेमाघरों में भारतीय फिल्मों की रिलीज प्रभावित होती रही है। ऐसे में ये देखना दिलचस्प होगा कि रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी की फिल्म 'रामायण' को पाकिस्तान में रिलीज होने का मौका मिलता है या नहीं।

बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी सोनाक्षी सिन्हा की 'तू है मेरी किरण', शॉकिंग है कलेक्शन



सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'तू है मेरी किरण' को रिलीज हुए 5 दिन हो चुके हैं, लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई है।फिल्म को शुरुआत से ही दर्शकों का ठंडा रिस्पॉन्स मिल रहा है और इसकी कमाई में भी कोई बड़ा उछाल देखने को नहीं मिला। पांचवें दिन फिल्म का कलेक्शन लाखों में सिमटकर रह गया है।

इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा के पति जहीर इकबाल भी उनके साथ नजर आ रहे हैं, दोनों की जोड़ी भी फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर रफ्तार नहीं दिला पाई। आइए जानते हैं फिल्म का 5वें दिन का कलेक्शन। सैकिनल्क के मुताबिक, सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की फिल्म 'तू है मेरी किरण' ने रिलीज के 5वें दिन महज 3 लाख रुपये कमाए, जिससे इसकी कुल इंडिया नेट कमाई करीब 40 लाख रुपये हो गई है।

इसका ग्रॉस कलेक्शन 46 लाख रुपये हो गया है।'तू है मेरी किरण' ने पहले दिन 14 लाख रुपये की कमाई के साथ शुरुआत की थी। दूसरे और तीसरे दिन फिल्म ने 10-10 लाख रुपये कमाए। वहीं, चौथे दिन इसकी कमाई घटकर 3 लाख रुपये रह गई। पांचवें दिन भी फिल्म ने 3 लाख रुपये का कलेक्शन किया। बता दें, 23 अक्टूबर 2026 को रिलीज हुई 'तू है मेरी किरण' एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन करण रावल ने किया है। इसमें सोनाक्षी सिन्हा, ज़हीर इकबाल के साथ अंकित गुप्ता हैं लीड रोल में हैं। इसकी कहानी बेस्टसेलर लेखिका किरण (सोनाक्षी सिन्हा) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो 2026 में अपने पति रियान (अंकित गुप्ता) के साथ एक खुशहाल जिंदगी बिता रही है।

फीचर

आज का राशिफल



मेष राशि - मेष राशि वालों के लिए कल का दिन अच्छा रहेगा। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी और धन लाभ के मौके मिलेंगे। व्यापार के सिलसिले में की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। परिवार में खुशहाली रहेगी और रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। आपके अच्छे कामों की तारीफ होगी और मान-सम्मान भी बढ़ेगा।

वृषभ राशि - वृषभ राशि वालों के लिए कामकाज के लिहाज से दिन अनुकूल रहेगा। आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं, उसमें सफलता मिल सकती है। नौकरी या कारोबार में मान-सम्मान बढ़ेगा और पुरस्कार मिलने के योग हैं। नए काम से लाभ हो सकता है। परिवार में मांगलिक कार्यक्रम की योजना बन सकती है। विरोधियों की चालें सफल नहीं होंगी।

मिथुन राशि - मिथुन राशि वालों को प्रभावशाली लोगों का सहयोग मिल सकता है। मन प्रसन्न रहेगा और कोई अच्छी खबर मिल सकती है। व्यापार और उद्योग से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी। घर के लिए जरूरी सामान खरीद सकते हैं। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी और परिवार में शादी या दूसरे शुभ कार्यक्रम की योजना बन सकती है।

कर्क राशि - कर्क राशि वालों के लिए कल का दिन सफलता लेकर आ सकता है। परीक्षा और प्रतियोगिता में अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। परिवार और दोस्तों का सहयोग मिलेगा। नए लोगों से मुलाकात होगी, जो भविष्य में आपके काम आ सकती है।

सिंह राशि - सिंह राशि वालों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और बिगड़े हुए काम बनने लगेंगे। कारोबार में उम्मीद से ज्यादा लाभ मिल सकता है। पुरानी परेशानियों से राहत मिलने की संभावना है। परिवार के साथ घूमने-फिरने और मनोरंजन का मौका मिलेगा। जमीन, मकान या वाहन से जुड़ी सुख-सुविधाएं मिलने के भी योग बन रहे हैं।

कन्या राशि - कन्या राशि वालों के मन में नई उम्मीदें जागेंगी। धैर्य और हिम्मत से आप अपने काम पूरे कर पाएंगे। आमदनी बढ़ाने के नए अवसर मिल सकते हैं। नौकरी करने वालों के लिए दिन उत्साह से भरा रहेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा और स्वास्थ्य भी ठीक रहने की संभावना है। घूमने-फिरने का अवसर मिल सकता है।

तुला राशि-तुला राशि वालों के लिए नौकरी में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। कई पुरानी समस्याओं का समाधान निकल सकता है। मेहनत के दम पर आप सफलता की ओर आगे बढ़ेंगे। आर्थिक स्थिति को संतुलित रखने में सफल रहेंगे, लेकिन परिवार की जिम्मेदारियों पर खर्च बढ़ सकता है। इसलिए पैसों की योजना बनाकर चलना बेहतर होगा।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि वालों का सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव बढ़ सकता है। लंबे समय से मन में चल रही इच्छा पूरी होने की संभावना है। नौकरी में अच्छा बदलाव हो सकता है और आर्थिक लाभ भी मिल सकता है। मित्रों और रिश्तेदारों का साथ मिलेगा। जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों में सफलता मिलने के योग हैं।

धनु राशि- धनु राशि वालों के रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा मौका मिल सकता है। किसी बड़ी योजना को पूरा करने में दूसरों का सहयोग मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और मन आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर आकर्षित हो सकता है।

मकर राशि - मकर राशि वालों को साहस और मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी और विरोधियों पर जीत मिल सकती है। सामाजिक संपर्कों से फायदा होगा। लंबे समय से अटका हुआ पैसा वापस मिलने के भी योग बन रहे हैं।

कुंभ राशि- कुंभ राशि वालों को परिवार और दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा और नए लोगों से संपर्क बनेगा। आमदनी बढ़ सकती है, लेकिन खर्च भी ज्यादा रहने की संभावना है। घर में सुख-शांति बनी रहेगी। हालांकि, दांपत्य जीवन में तनाव और संतान से जुड़ी किसी चिंता का सामना करना पड़ सकता है। बातचीत में संयम रखें।

मीन राशि-मीन राशि वालों को मेहनत का फल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अच्छा काम करने का मौका मिल सकता है और आपकी तारीफ भी होगी। धैर्य और समझदारी से परिवार के किसी महत्वपूर्ण काम को पूरा कर पाएंगे।

साधना शुरू करने से पहले नियमों का पालन जरूरी

अनुष्ठान केवल मंत्रों का उच्चारण नहीं, बल्कि एक संपूर्ण अनुशासन है। जिस प्रकार बीज बोने से पहले भूमि तैयार करनी पड़ती है, उसी प्रकार मंत्र-साधना से पहले साधक को स्वयं को तैयार करना पड़ता है। अनुष्ठान से जुड़े कुछ नियम बनाए गए हैं, जिनका उद्देश्य किसी प्रकार का डर पैदा करना नहीं, बल्कि साधना को अधिक प्रभावी बनाना है।आइए जानते हैं वे 10 महत्वपूर्ण नियम जिन्हें अनुष्ठान शुरू करने से पहले समझना आवश्यक माना गया है:

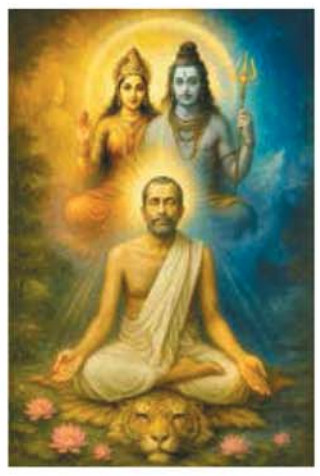

1. एकांत और शांत वातावरण क्यों जरूरी माना गया है?

अनुष्ठान का पहला नियम है कि साधक ऐसी जगह का चुनें करे जहां उसका मन सहज रूप से एकाग्र हो सके। अगर आसपास लगातार बातचीत, टीवी, मोबाइल या और कोई बात चल रही हो तो मन बार-बार भटकता है। साधना का उद्देश्य मन को भीतर की ओर ले जाना है, जबकि शोर-शराबा उसे बाहर की दुनिया में उलझाए रखता है। इसलिए शांत वातावरण केवल सुविधा नहीं, बल्कि साधना का आधार माना गया है।

2. मौन का अभ्यास ऊर्जा बचाने का माध्यम है

ग्रंथों में अनुष्ठान के दौरान कम बोलने या मौन रखने की सलाह दी जाती है। इसके पीछे का कारण है कि मनुष्य की मानसिक और वाणी संबंधी ऊर्जा सीमित होती है। जब हम अनावश्यक बातें करते हैं तो ध्यान बिखरता है। वहीं मौन रहने से वही ऊर्जा मंत्र-जप और ध्यान में लगाई जा सकती है। आज की भाषा में कहें तो यह मानसिक "डिटॉक्स" जैसा कार्य करता है।

3. ब्रह्मचर्य का पालन केवल शारीरिक नहीं, मानसिक अनुशासन भी है

अक्सर लोग ब्रह्मचर्य को केवल एक सीमित अर्थ में समझते हैं, जबकि यह इंद्रियों को संयमित रखने, विषयों में अत्यधिक उलझाव से बचने और मानसिक ऊर्जा को लक्ष्य की ओर केंद्रित करने का अभ्यास है। अनुष्ठान के दौरान यह नियम इसलिए महत्वपूर्ण माना गया है क्योंकि बिखरी हुई ऊर्जा की तुलना में केंद्रित ऊर्जा अधिक प्रभावी मानी जाती है।

4. भोजन का संबंध केवल शरीर से नहीं, मन से भी है

अनुष्ठान के दौरान सात्विक, हल्का और ताजा भोजन करने की सलाह दी जाती है। भोजन का प्रभाव केवल शरीर पर नहीं पड़ता, बल्कि मन की अवस्था पर भी पड़ता है। बहुत अधिक तला-भुना, भारी या बासी भोजन सुस्ती और आलस्य बढ़ा सकता है, जबकि हल्का भोजन साधक को अधिक सचेत बनाए रखने में मदद करता है। इसी वजह से साधना काल में भोजन को भी अनुशासन का हिस्सा माना गया है।

5. जप की संख्या पहले से तय करना क्यों जरूरी है?

कई लोग उत्साह में शुरुआत तो कर देते हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद निरन्तरता टूट जाती है। इसीलिए परंपरा में जप की संख्या पहले से निर्धारित करने का नियम बताया गया है। इससे साधना में निरंतरता बनी रहती है और मन भी एक निश्चित लक्ष्य के साथ आगे बढ़ता है। यह नियम आध्यात्मिक जीवन में अनुशासन विकसित करने का भी माध्यम माना जाता है।

6. दिशा का चयन केवल परंपरा नहीं, मनोवैज्ञानिक तैयारी भी है

ग्रंथों में आमतौर पर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके जप करने की सलाह दी गई है। इसका आध्यात्मिक पक्ष अलग है, लेकिन एक व्यावहारिक पहलू भी है जब साधक किसी निश्चित दिशा और व्यवस्था को अपनाता है तो उसका मन धीरे-धीरे उसी वातावरण को साधना से जोड़ने लगता है, इससे एकाग्रता बढ़ सकती है।

7. उचित आसन साधना को स्थिर बनाता है

अनुष्ठान के दौरान लंबे समय तक बैठना पड़ सकता है। अगर बैठने की व्यवस्था असुविधाजनक हो तो शरीर बार-बार ध्यान भंग करेगा। इसलिए कुश, ऊन या अन्य उपयुक्त आसन के उपयोग की सलाह दी जाती है। स्थिर शरीर अक्सर स्थिर मन की दिशा में पहला कदम माना जाता है।

8. माला केवल गिनती का साधन नहीं, एकाग्रता का माध्यम भी है

माला का उपयोग जप की संख्या बनाए रखने के लिए किया जाता है, लेकिन इसका एक और उद्देश्य है। जब उंगलियां माला के साथ नियमित गति में चलती हैं तो मन बार-बार मंत्र की ओर लौटता है। माला को सम्मानपूर्वक रखने और उसका उपयोग केवल जप के लिए करने की सलाह दी जाती है।



क्या घर में तुलसी, शंख और शिवलिंग को एक साथ रखना शुभ?

सनातन धर्म में तुलसी, शंख और शिवलिंग तीनों का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। लगभग हर हिंदू घर के पूजा स्थल में इनमें से एक या अधिक पवित्र प्रतीक देखने को मिल जाते हैं। हालांकि, कई लोगों के मन में यह सवाल रहता है कि क्या घर में तुलसी, शंख और शिवलिंग को एक साथ रखना शुभ होता है या नहीं? इन तीनों को घर में रखा जा सकता है, लेकिन इनकी स्थापना और पूजा से जुड़े कुछ नियमों का पालन करना आवश्यक माना गया है। इन्हीं नियमों का पालन करने से पूजा का सकारात्मक प्रभाव प्राप्त होने की मान्यता है।

क्या तुलसी, शंख और शिवलिंग को एक साथ रखा जा सकता है?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, घर में तुलसी, शंख और शिवलिंग तीनों को रखना अशुभ नहीं माना जाता। हालांकि, इन्हें सही स्थान, उचित विधि और धार्मिक मर्यादाओं के साथ स्थापित करना जरूरी माना जाता है।

मान्यता है कि तुलसी भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय हैं, जबकि शिवलिंग भगवान शिव का प्रतीक है। वहीं शंख का संबंध भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी से माना जाता है। इसलिए घर के पूजा स्थल में इन तीनों की उपस्थिति शुभ मानी जाती है, बशर्ते पूजा-विधि और स्थापना के नियमों का ध्यान रखा जाए।

तुलसी से जुड़े नियम

तुलसी का पौधा घर की उत्तर, उत्तर-पूर्व (ईशान) या पूर्व दिशा में लगाना शुभ माना जाता है।
तुलसी के पास साफ-सफाई बनाए रखें।
धार्मिक मान्यता के अनुसार रविवार और एकादशी के दिन तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ने चाहिए।
प्रतिदिन जल अर्पित कर दीपक जलाना शुभ माना जाता है।

शिवलिंग रखने के नियम

घर में बहुत बड़ा शिवलिंग रखने के बजाय छोटा शिवलिंग रखना अधिक उपयुक्त माना जाता है।
शिवलिंग की नियमित पूजा और जलाभिषेक करना चाहिए।
शिवलिंग के आसपास साफ-सफाई बनाए रखें।
यदि नियमित पूजा संभव न हो, तो बड़े आकार का शिवलिंग घर में स्थापित करने से बचने की सलाह दी जाती है

शंख रखने के नियम

- पूजा में उपयोग होने वाला शंख साफ और पवित्र स्थान पर रखें।
- शंख को पूजा के बाद स्वच्छ कपड़े पर रखें।
- शंख को सीधे जमीन पर रखने से बचें।
- धार्मिक मान्यता के अनुसार पूजा में प्रयुक्त शंख का उपयोग सामान्य घरेलू कार्यों के लिए नहीं करना चाहिए।

फ्रिज के ऊपर क्या नहीं रखना चाहिए?

किचन में जगह कम पड़ने लगे तो अक्सर लोग फ्रिज के ऊपर खाली जगह का इस्तेमाल सामान रखने के लिए करने लगते हैं। यहां डिब्बे, तेल की बोतलें, स्नैक्स, ब्रेड से लेकर सफाई का सामान तक रख दिया जाता है। देखने में यह जगह स्टोरेज के लिए बिल्कुल सही लगती है, लेकिन फ्रिज के ऊपर हर तरह का सामान रखना सही नहीं है। इससे कुछ चीजों की क्वालिटी खराब हो सकती है, वहीं कुछ सामान घर में सुरक्षा से जुड़ी परेशानी भी



खड़ी कर सकते हैं।फ्रिज के ऊपर लगातार गर्मी रहती है और तापमान में भी बदलाव होता रहता है। ऐसे में कुछ चीजें जल्दी खराब हो सकती हैं। साथ ही अगर फ्रिज के वेंट या हवा निकलने की जगह सामान से ढक जाए तो उसके काम करने पर भी असर पड़ सकता है। इसलिए फ्रिज के ऊपर सामान रखते समय थोड़ी सावधानी जरूरी है।

कुकिंग ऑयल को भी फ्रिज के ऊपर रखने की गलती न करें। खासकर पारदर्शी बोतलों में रखा तेल गर्मी और रोशनी से प्रभावित हो सकता है। फ्रिज से निकलने वाली गर्मी तेल की क्वालिटी और स्वाद पर असर डाल सकती है। यही बात ऊपर रखे मसालों पर भी लागू होती है। गर्मी की वजह से मसालों का स्वाद और क्वालिटी खराब हो सकती है।

फ्रिज के ऊपर मौजूद वेंट या हवा निकलने वाली जगह को सामान रखकर ढकना सही नहीं है। अगर हवा का रास्ता रुकता है तो फ्रिज के अंदर तापमान में उतार-चढ़ाव हो सकता है। इसका असर खाने को सही तरीके से सुरक्षित रखने पर पड़ सकता है। इसलिए फ्रिज के ऊपर की जगह को जितना हो सके खाली रखना बेहतर है।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया की ओर दागी 10 बैलिस्टिक मिसाइल, सेना ने बढ़ाई निगरानी

टोक्यो। प्योंगयांग और सियोल के बीच बढ़ती दुश्मनी के बीच जापान और दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालयों ने बताया कि गुरुवार को उत्तर कोरिया से एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई। न्यूज एजेंसी एपी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरियाई मंत्रालय ने बताया कि उसके पूर्वी तट से एक अज्ञात वस्तु (प्रोजेक्टाइल) दागी गई है। मंत्रालय ने इस बारे में कोई और जानकारी नहीं दी, जैसे कि किस तरह का हथियार दागा गया था। बाद में एएफपी ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि लगभग 10 कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गई। हालांकि, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उत्तर कोरिया से एक ऐसी वस्तु दागी गई है जो बैलिस्टिक मिसाइल हो सकती है। जैसे ही और जानकारी मिलेगी प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के एक अनंतिम अनुवाद के अनुसार, बैलिस्टिक मिसाइल छोड़े जाने के संदेह के जवाब में कार्यालय ने कई कदम उठाने की रूपरेखा बताई है। इनमें जानकारी जुटाना और उसका विश्लेषण करना, विमानों, जहाजों और अन्य संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा किसी भी संभावित आपात स्थिति के लिए पहले से एहतियाती उपाय करना शामिल है। कार्यालय ने इस बात पर भी जोर दिया कि जनता तक जानकारी सही समय पर और उचित तरीके से पहुंचाई जानी चाहिए।

ईरान युद्ध पर 47 अरब डॉलर खर्च, हर छह हफ्ते में 3.5 अरब बढ़ा बोझ; कब तक खिंचेगी जंग

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ युद्ध का आर्थिक बोझ अमेरिकी करदाताओं पर लगातार बढ़ रहा है।



पेंटागन के नए अनुमान के मुताबिक, युद्ध पर अमेरिका का खर्च बढ़कर 47.1 अरब डॉलर (करीब 47 अरब डॉलर से अधिक) हो गया है। सितंबर की शुरुआत में यह आंकड़ा लगभग 43.6 अरब डॉलर था। यानी करीब छह हफ्तों में खर्च में 3.5 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के अनुसार, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने 16 अक्तूबर तक के खर्च का यह अनुमान कांग्रेस को दिया है। अमेरिका और इस्राइल ने फरवरी के आखिर में ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया था। युद्ध का बढ़ता खर्च और ऊर्जा की कीमतों पर इसका असर अब अमेरिकी राजनीति में भी बड़ा मुद्दा बन गया है। युद्ध के कुल खर्च में सबसे बड़ा हिस्सा हथियारों और गोला-बारूद की भरपाई का है। इस मद में करीब 29 अरब डॉलर खर्च होने का अनुमान है। इनमें पैट्रियट और थाड जैसी रक्षा प्रणालियों में इस्तेमाल होने वाली मिसाइलें शामिल हैं। एक पैट्रियट इंटरसेप्टर की कीमत ही लाखों डॉलर होती है। पेंटागन के अनुमान के अनुसार, सैन्य अभियानों पर करीब 11.9 अरब डॉलर और उपकरणों के नुकसान से जुड़े खर्च पर छह अरब डॉलर खर्च हुए हैं। वायुसेना का खर्च 7.6 अरब डॉलर, जबकि थलसेना का खर्च दो अरब डॉलर से अधिक बताया गया है। नौसेना का खर्च 1.45 अरब डॉलर आंका गया है, जो सितंबर की शुरुआत में 2.2 अरब डॉलर बताया गया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले सैन्य अभियान कुछ हफ्तों तक चलने की बात कही थी, लेकिन अब युद्ध का खर्च बढ़ता जा रहा है। ट्रंप ने मध्यावधि चुनाव के बाद ईरान पर दोबारा हमले की संभावना से भी इनकार नहीं किया है। इस बीच, अमेरिका ने मध्य पूर्व में एक और विमानवाहक पोत और हजारों अतिरिक्त सैनिक भेजने की तैयारी की है। युद्ध की बढ़ती लागत और ऊर्जा की कीमतों पर असर अगले सप्ताह होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के लिए मुश्किल पैदा कर सकता है। इन चुनावों से तय होगा कि ट्रंप के कार्यकाल के आखिरी दो वर्षों में कांग्रेस पर किस पार्टी का नियंत्रण रहेगा। कांग्रेस युद्ध खत्म करने को प्राथमिकता दे। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता भी युद्ध रोकने के लिए कानून लाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन रिपब्लिकन बहुमत वाली कांग्रेस में उनके प्रयास सफल नहीं हुए हैं। सीनेट में अल्पमत के नेता चक शूमर ने ट्रंप की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिका को बिना योजना, अधिकार और युद्ध से बाहर निकलने की रणनीति के इस संघर्ष में झोंक दिया गया।

ईरान पर हमले की तैयारी के बीच हेगसेथ की बड़ी कार्रवाई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ईरान के खिलाफ नए सैन्य हमलों की चर्चा के बीच रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने सेना के वरिष्ठ अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल ब्रेट सिल्विया को उनके पद से हटा दिया है। वह जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ में रणनीति, योजना और नीति से जुड़े अहम पद पर तैनात थे। रक्षा विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक, उन्हें हटाने की वजह नहीं बताई गई है और उनकी जगह किसी नए अधिकारी की नियुक्ति भी नहीं हुई है।

32 साल की सेवा के बाद पद से हटाए गए सिल्विया: सिल्विया से पहले इस पद पर रहे लेफ्टिनेंट जनरल जोसेफ मैक्गी को भी पिछले साल अक्टूबर में रिटायर होना पड़ा था। इस घटनाक्रम की खबर सबसे पहले द अटलांटिक ने दी थी। जॉइंट स्टाफ के प्रवक्ता ने सिल्विया और उनके परिवार के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने देश की 32 साल तक सेवा की है। हालांकि, उन्हें हटाने के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं की गई।

ईरान पर हमले की चर्चा के बीच फैसला



सिल्विया को ऐसे समय में हटाया गया है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ नए सैन्य अभियान पर विचार कर रहे हैं। इजरायल के साथ युद्ध शुरू होने के बाद ट्रंप कई बार ईरान के खिलाफ अभियान पूरा करने की बात कह चुके हैं। उन्होंने संकेत दिया है कि मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान पर दोबारा हमले किए जा सकते हैं। हालांकि, इस बारे में अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। मामले की जानकारी रखने वाले दो राजनयिकों के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने मध्य पूर्व के कई देशों और क्षेत्रीय सहयोगियों को संभावित सैन्य कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा है। उन्हें ईरान की ओर से जवाबी हमले की आशंका को लेकर भी सतर्क किया गया है। इस बीच, अमेरिका का तीसरा विमानवाहक पोत और हजारों अतिरिक्त सैनिक भी क्षेत्र की ओर बढ़ रहे हैं। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ में छ5 विभाग अमेरिकी सेना की रणनीति और सैन्य योजनाएं तैयार करने में अहम भूमिका निभाता है। यह विभाग सैन्य अभियानों की योजना बनाने और सेना के शीर्ष अधिकारियों के बीच तालमेल स्थापित करने का काम करता है। इससे पहले सिल्विया केंटकी के फोर्ट कैंपबेल में 101वीं एयरबोर्न डिवीजन के कमांडर थे। वह छ5 के उपनिदेशक के रूप में भी काम कर चुके हैं।

रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के कार्यकाल में अब तक करीब दो दर्जन जनरल, एडमिरल और अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारी पद छोड़ चुके हैं या उन्हें हटाया गया है। इनमें सेना और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। ज्यादातर मामलों में पेंटागन ने सार्वजनिक तौर पर कोई स्पष्ट वजह नहीं बताई है। हेगसेथ ने पिछले महीने शीर्ष सैन्य अधिकारियों के पदों में कटौती तेज करने का आदेश दिया था। योजना के मुताबिक, 1 जनवरी 2027 तक जनरल और फ्लैग ऑफिसर स्तर के पदों में 20 फीसदी की कमी की जानी है। फिलहाल ऐसे करीब 800 पद हैं। हेगसेथ का कहना है कि इससे सेना में जवाबदेही बढ़ेगी। अमेरिकी कांग्रेस के कुछ सदस्यों ने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को लगातार हटाए जाने की आलोचना की है। उनका कहना है कि इससे सेना के अनुभवी नेतृत्व को नुकसान पहुंच सकता है और इसकी भरपाई में कई साल लग सकते हैं। सीनेटर मार्क केली ने भी चिंता जताते हुए कहा कि सेना अपने बेहतरीन अधिकारियों की एक पूरी पीढ़ी खो सकती है और इस नुकसान से उबरने में लंबा समय लगेगा।

अमेरिका में संघ की पहुंच बढ़ाएगा आरएसएस फ्रेंड्सः विदेशी एजेंट के रूप में कराया पंजीकरण, जानें क्या है लक्ष्य

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के समर्थकों के एक समूह 'आरएसएस फ्रेंड्स' ने अमेरिकी न्याय विभाग में विदेशी एजेंट के रूप में पंजीकरण कराया है। समूह का उद्देश्य अमेरिका में संघ के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उसके संबंध में गलत, अधूरी या संदर्भ से हटकर दी गई जानकारी का जवाब देना है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, आरएसएस फ्रेंड्स ने 27 अगस्त को विदेशी एजेंट पंजीकरण अधिनियम (एफएआरए) के तहत पंजीकरण कराया। पंजीकरण दस्तावेज में समूह ने जॉर्जिया का एक पता दिया है। उसने नई दिल्ली के केशव कुंज स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अपना विदेशी प्रमुख बताया है। आरएसएस फ्रेंड्स ने अपनी प्रस्तावित गतिविधियों में ऐसी जानकारी को ठीक करना या उसका जवाब देना भी शामिल किया है, जिसे समूह संघ के बारे में गलत, अधूरा या जरूरी संदर्भ से रहित मानता है। समूह ने कहा कि आरएसएस के साथ उसका कोई लिखित रोजगार, परामर्श, लॉबिंग, जनसंपर्क या एजेंसी समझौता नहीं है, जिसमें काम का स्पष्ट विवरण, भुगतान या संचालन संबंधी विस्तृत निर्देश तय किए गए हों। हालांकि, समूह ने यह



भी स्पष्ट किया कि लिखित समझौते का नहीं होना इस बात का प्रमाण नहीं है कि दोनों के बीच कोई संबंध, अनुरोध, समझ, समन्वय, अनुमति या निर्देश नहीं हैं। उसने कहा कि वह अपनी गतिविधियों से जुड़े वास्तविक तथ्यों का खुलासा करेगा। समूह के मुताबिक, उसकी प्रस्तावित गतिविधियां मुख्य रूप से सूचना देने, शिक्षा, जनसंपर्क और समुदाय से जुड़ाव पर केंद्रित होंगी। इसके तहत वह आम लोगों, पत्रकारों, मीडिया संस्थानों, शोधकर्ताओं, शैक्षणिक और नीति संस्थानों, सामुदायिक नेताओं तथा नागरिक समाज संगठनों से संवाद कर सकता है। लागू कानून के अनुरूप जरूरत पड़ने पर सरकारी एजेंसियों और अधिकारियों से भी संपर्क किया जा सकता है। आरएसएस फ्रेंड्स ने संघ को भारत में स्थित स्वयंसेवी और सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन बताया है। पंजीकरण दस्तावेज में राजेंद्र सोनारिकर, जयंत पंत और देवानंद गड्डम को समूह के निदेशक मंडल का सदस्य बताया गया है। समूह ने शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामुदायिक और सूचना संबंधी कार्यक्रम आयोजित करने या उनमें हिस्सा लेने को भी अपनी प्रस्तावित गतिविधियों में शामिल किया है। मुद्दों पर तथ्यात्मक जानकारी और विचार साझा करने के लिए प्रशासनिक संस्थाओं, सार्वजनिक एजेंसियों तथा नीति-निर्माताओं से संपर्क करने की योजना भी बताई गई है। आरएसएस फ्रेंड्स का पंजीकरण 27 अगस्त को कराया गया था। यह पंजीकरण आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के न्यूयॉर्क स्थित मैडिसन स्क्वायर गार्डन में 29 अगस्त को आयोजित 'यूनिवर्सल ऑननेस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम से दो दिन पहले हुआ था।

भावनाओं नहीं, संभावनाओं का गठबंधनः यूरोप को भी भारत की उतनी ही जरूरत

गोयल के छह दिन के दौरे से क्या हासिल

बर्लिन, एजेंसी। व्यापार के मैदान को अखाड़ा बना चुके अमेरिका के अप्रत्याशित रुख के बीच केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का जर्मनी और नीदरलैंड का छह दिन का दौरा एक बात साफ कर गया। यह रिश्ता अब याचक और दाता का नहीं, बराबरी की जरूरत का है।

जितनी जरूरत भारत को यूरोप की तकनीक और बाजार की है, उतनी ही जरूरत सुस्त पड़ती रफ्तार, बूढ़ी होती आबादी और बढ़ती लागत से जूझ रहे यूरोप को भारत के इंजन की है। यूरोप का ग्रोथ इंजन जर्मनी हो या प्रवेश द्वार नीदरलैंड, हर मेज पर यही सुर सुनाई दिया कि यह भावनाओं का नहीं, संभावनाओं का गठबंधन है। भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर दस्तखत से करीब 60 दिन पहले हुई इस कवायद ने वह जमीन तैयार की है, जिस पर कागज की रियायतें कारखानों और ऑर्डर बुक तक पहुंचेंगी। आंकड़े खुद यह कहानी कहते हैं। यूरोप की विकास दर इस साल आधे से एक फीसदी के बीच सिमटने का अनुमान है।



अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने जुलाई में यूरो क्षेत्र की 2026 की विकास दर 0.9 फीसदी और जर्मनी की 0.7 फीसदी आंकी, जबकि डॉयचे बैंक ने यूरो क्षेत्र और जर्मनी, दोनों के लिए यह अनुमान घटाकर 0.5 फीसदी कर दिया है। इसके उलट गोयल ने भरोसा जताया कि भारत इस साल साढ़े सात फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगा। रफ्तार के साथ हाथों की भी कमी है। एक अध्ययन के मुताबिक जर्मनी को हर साल कम से कम 2,88,000 विदेशी कामगार चाहिए, वरना 2040 तक उसका कार्यबल 10 फीसदी घट सकता है।

मैं ही ब्राजील का असली राष्ट्रपतिः फ्लावियो बोल्सोनारो का दावा, लूला की जीत को बताया चुनावी धांधली का नतीजा

ब्रासिलीया, एजेंसी। ब्राजील में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो ने एक सार्वजनिक पत्र जारी कर खुद को ब्राजील का असली निर्वाचित राष्ट्रपति बताया है। उन्होंने राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की जीत पर सवाल उठाते हुए चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाया। हालांकि, अपने पत्र में उन्होंने इन आरोपों के समर्थन में ठोस सबूत पेश नहीं किए। फ्लावियो ने अपने पत्र में दावा किया कि चुनाव के दूसरे चरण में लूला को पहले चरण के मुकाबले एक करोड़ से अधिक अतिरिक्त वोट मिले, जो उनके मुताबिक संदेह



पैदा करता है। उन्होंने मतदान का समय बढ़ाने के फैसले पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि इससे मतदाताओं के साथ अलग-अलग नियमों के तहत व्यवहार हुआ। उन्होंने चुनाव अभियान के दौरान सरकारी संसाधनों के कथित दुरुपयोग और राजनीतिक प्रभाव का भी आरोप लगाया। फ्लावियो ने कहा कि इन मामलों की जांच होनी चाहिए और लूला तथा उनके उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन की चुनावी जीत को रद्द किया जाना चाहिए। ये सभी आरोप उनके अपने दावे हैं। फ्लावियो बोल्सोनारो ने ब्राजील की न्यायपालिका और सुप्रीम कोर्ट पर राजनीतिक पक्षपात का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ न्यायिक कार्रवाई राजनीतिक उत्पीड़न का हिस्सा है। उन्होंने पासपोर्ट जब्त किए जाने, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और संभावित गिरफ्तारी जैसी आशंकाओं का भी जिक्र किया। अपने पत्र में उन्होंने कहा कि वह अपने परिवार को इस स्थिति से बचाने के लिए अमेरिका पहुंचे हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई का आभार भी जताया।

फ्लावियो ने कहा कि ब्राजील छोड़ने का मतलब अपने देश की राजनीति से दूर होना नहीं है। उन्होंने समर्थकों से एकजुट रहने की अपील करते हुए कहा कि वह अमेरिका से विपक्ष का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने लोकतंत्र, मानवाधिकार और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण और वैध तरीकों से संघर्ष जारी रखने की बात कही।

फ्लावियो पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे हैं। अपने पत्र में उन्होंने अपने पिता और अन्य समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई को भी राजनीतिक उत्पीड़न बताया।

चीन की चुनौती को मिलकर जवाब देंगे अमेरिका-जापान, बनाएंगे घातक मिसाइलें

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और जापान ने उन्नत मध्यम दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के संयुक्त उत्पादन के लिए जापान में एक विनिर्माण केंद्र स्थापित करने पर सहमति जताई है। जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने बुधवार रात इसकी घोषणा की। एशिया में चीन की बढ़ती आक्रामक गतिविधियों को लेकर चिंता के बीच दोनों देशों का यह कदम रक्षा सहयोग मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

कोइजुमी ने फिलीपींस के सेबू प्रांत में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। वह दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के रक्षा मंत्रियों और उनके प्रमुख एशियाई व पश्चिमी साझेदारों की वार्षिक बैठक से इतर अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से मिले थे।

एफ-35 लड़ाकू विमानों के लिए अहम हैं मिसाइलें

कोइजुमी ने बताया कि 'ऑपरेशन सुपरचार्ज' के तहत बनाई जाने वाली मिसाइलें एफ-35 लड़ाकू विमानों के लिए जरूरी हैं। हालांकि, उन्होंने प्रस्तावित उत्पादन केंद्र और समझौते से जुड़ी अन्य विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। अमेरिका में निर्मित एफ-35 दुनिया के उन्नत लड़ाकू विमानों में शामिल हैं। जापानी सेना भी इन विमानों का इस्तेमाल करती है।

पीट हेगसेथ के साथ मुलाकात के बाद कोइजुमी ने कहा कि दोनों पक्षों ने क्षेत्र में बिगड़ते सुरक्षा हालात को लेकर चिंता साझा की। उन्होंने बताया कि अमेरिका और जापान अपने गठबंधन की प्रतिरोधक क्षमता और



जवाब देने की क्षमता को पहले से अधिक तेजी और मजबूती से बढ़ाने पर सहमत हुए हैं।

कोइजुमी ने कहा कि दोनों देशों ने कानून के शासन पर आधारित स्वतंत्र और खुले अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के महत्व को दोहराया। उन्होंने ऐसी किसी भी कोशिश का विरोध किया, जिसमें बल, दबाव या दूसरे तरीकों से एकतरफा यथास्थिति बदलने का प्रयास किया जाए। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी बातचीत किसी खास देश को निशाना बनाकर नहीं की गई। अमेरिकी रक्षा मंत्री हेगसेथ ने बुधवार को आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ बैठक में क्षेत्र में आक्रामकता को रोकने के लिए अमेरिकी प्रतिबद्धता दोहराई। इस बैठक की मेजबानी फिलीपींस के रक्षा सचिव गिल्बर्टो टेओडोरो जूनियर ने की। हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका का दृष्टिकोण मजबूत, शांत और स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि अमेरिका का उद्देश्य इतना मजबूत रहना है कि दबाव और आक्रामकता को रोका जा सके, लेकिन अनावश्यक तनाव या सार्वजनिक टकराव से बचा जाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका के मित्र देशों, साझेदारों और संभावित विरोधियों को स्पष्ट रूप से पता होना चाहिए कि अमेरिका कहां खड़ा है और वह अपने हितों तथा सहयोगी देशों के हितों की रक्षा करेगा। अमेरिका ने फिलीपींस को भरोसा दिलाया है कि वह दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती आक्रामक गतिविधियों को रोकने के लिए मजबूत प्रतिरोधक व्यवस्था विकसित करेगा। फिलीपींस एशिया में अमेरिका का सबसे पुराना संधि सहयोगी है। दक्षिण चीन सागर वैश्विक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। चीन इस समुद्री क्षेत्र के लगभग पूरे हिस्से पर अपना दावा करता है। फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया और ब्रुनेई के साथ-साथ ताइवान के भी इस क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर दावे हैं।

नेतन्याहू की पार्टी ने कहा- वोट चोरी हुए, अरब दलों पर कार्रवाई की मांग; सत्ता बदलने की तैयारी

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल में आम चुनाव की मतगणना के बीच प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पार्टी लिकुड ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाया है। पार्टी ने अरब राजनीतिक दलों पर मतदाताओं को रिश्वत देने, धमकाने, हिंसा और फर्जी मतदान जैसी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया। लिकुड ने इन आरोपों की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

नेतन्याहू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पार्टी का बयान साझा किया। इसमें दावा किया गया कि लिकुड ने पुलिस, शिन बेट और केंद्रीय चुनाव समिति को सैकड़ों गवाहियां और सबूत सौंपने की बात कही है। पार्टी ने मतदान केंद्रों पर नकदी और रैम के पर्चे मिलने, एक से अधिक बार मतदान करने और प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल जैसे आरोप भी लगाए। लिकुड ने कहा कि चुनाव परिणामों की विश्वसनीयता प्रभावित हुई है।

मतगणना के बीच नेतन्याहू ने दक्षिणपंथी दलों से एक मजबूत राष्ट्रीय सरकार बनाने की अपील की। उन्होंने अरब दलों के समर्थन से बनने वाली सरकार का विरोध करते हुए उन्हें इस्राइल की सुरक्षा और अस्तित्व के लिए खतरा बताया।

नेतन्याहू ने कहा कि ऐसी सरकार नहीं बननी चाहिए, जो उन अरब दलों पर निर्भर हो जिन्हें वह यहूदी राष्ट्र के विरोधी मानते हैं। उन्होंने विपक्षी नेताओं पर भी निशाना साधा और अरब दलों के साथ राजनीतिक गठबंधन की संभावनाओं को शर्मनाक बताया। दूसरी ओर, अरब बहुल जॉइंट लिस्ट गठबंधन के अध्यक्ष यूसुफ जबरीन ने नेतन्याहू सरकार को सत्ता से हटाने की दिशा में काम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि उनका गठबंधन सरकार बदलने का रास्ता तैयार करने के लिए तैयार है।



जबरीन ने मौजूदा सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए यहूदी और अरब समुदायों के बीच समानता और साझेदारी पर आधारित राजनीतिक विकल्प की वकालत की। उनका कहना है कि वास्तविक बदलाव के लिए दोनों समुदायों के बीच बराबरी की भागीदारी जरूरी है। इस्राइल की संसद कनेसट में बहुमत को लेकर अलग-अलग एग्जिट पोल में अलग तस्वीर सामने आई। डायरेक्ट पोल्स के अनुमान में नेतन्याहू के गठबंधन को 55 सीटें, गादी आइजेनकोट के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन को 49 और अरब दलों को 16 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया। वहीं, चैनल 11 के अपडेटेड एग्जिट पोल में नेतन्याहू और उनके विरोधी गठबंधन को 51-51 सीटें मिलने का अनुमान सामने आया। चैनल 14 पर पेश फिल्बर के सर्वे में नेतन्याहू के गठबंधन को 60, विपक्ष को 43 और अरब दलों को 17 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया। 25 से बढ़कर 27 होने, वामपंथी गठबंधन डेमोक्रेट्स की सीटें 10 से घटकर नौ और दक्षिणपंथी ओत्जमा येहुदित की सीटें सात से घटकर छह होने की बात कही गई।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक का फैसलाः फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में महंगाई का दबाव बने रहने के बावजूद फेडरल रिजर्व ने बुधवार को अपनी प्रमुख ब्याज दर में बदलाव नहीं किया। केंद्रीय बैंक ने दर को करीब 3.9 फीसदी पर बरकरार रखा। हालांकि, फेड के बयान से यह स्पष्ट नहीं हुआ कि आने वाले महीनों में ब्याज दरें बढ़ाई जाएंगी या उनमें कोई और बदलाव होगा। फेड ने अपनी दो दिवसीय नीतिगत बैठक के बाद जारी बयान में कहा कि महंगाई अब भी ऊंचे स्तर पर है। केंद्रीय बैंक के मुताबिक, आगे की नीति तय करने से पहले आर्थिक आंकड़ों और परिस्थितियों का आकलन करना जरूरी है। फेड का लक्ष्य महंगाई को दो फीसदी तक लाना है। फेड के चेयरमैन केविन वॉर्श के सामने महंगाई पर काबू पाने के साथ आर्थिक गतिविधियों को बनाए रखने की चुनौती है। पिछले महीने फेड ने तीन साल में पहली बार प्रमुख दर बढ़ाई थी। इस फैसले का अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विरोध किया था और ब्याज दरों में कटौती की मांग की थी। अमेरिका में उपभोक्ता कीमतों में तेजी फेड के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। सितंबर में महंगाई दर सालाना आधार पर बढ़कर 3.7 फीसदी हो गई, जबकि फरवरी में यह 2.4 फीसदी थी। अगस्त और सितंबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में मासिक आधार पर 0.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। फेड की ओर से बारीकी से देखे जाने वाले व्यक्तिगत उपभोग व्यय (पीसीई) मूल्य सूचकांक के आंकड़े भी अहम होंगे। सितंबर में इस सूचकांक की सालाना वृद्धि दर 3.6 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया।

ग्लेन फिलिप्स के शतक से न्यूजीलैंड ने भारत को 87 रन से हराया

ऑकलैंड। ग्लेन फिलिप्स के तूफानी शतक और तेज गेंदबाज जैकब डफी की घातक गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के चौथे मुकाबले में शुक्रवार को यहां भारत को 87 रन से करारी शिकस्त दी। भारतीय टीम शुरुआती तीन मुकाबले जीतकर पहले ही श्रृंखला अपने नाम कर चुकी है। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने श्रृंखला में हार का अंतर 1-3 कर दिया। 'प्लेयर ऑफ द मैच' फिलिप्स ने 49 गेंदों में 107 रन की विस्फोटक पारी खेली, जबकि माइकल ब्रेसवेल ने महज 25 गेंदों में 65 रन बनाए।

दोनों ने पांचवें विकेट के लिए सिर्फ 41 गेंदों में 115 रन की साझेदारी कर न्यूजीलैंड को सात विकेट पर 259 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के खिलाफ किसी भी टीम का सर्वोच्च स्कोर है। इसके जवाब में भारतीय टीम अतिरिक्त उछाल वाली पिच पर नौ विकेट पर 172 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत की दरकार थी, लेकिन तेज गेंदबाज डफी ने पहले ही ओवर में संजू सैमसन (चार) और ईशान किशन (शून्य) को आउट कर उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। भारत ने पहले ओवर के बाद दो विकेट पर महज चार रन बनाए थे। इस शुरुआती झटके से टीम अंत तक नहीं उबर सकी। भारत की ओर से तीसरे विकेट के लिए कप्तान श्रेयस अय्यर (22) और अभिषेक शर्मा (27) के बीच 46 रन की साझेदारी सबसे बड़ी रही। यह भारतीय बल्लेबाजी की नाकामी को बयां करने के लिए काफी थी। आमतौर पर आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले अभिषेक इस बार लय में नहीं दिखे। वह मैथ्यू फिशर की गेंद पर कवर में मिचेल सैंटनर को कैच थमा बैठे। अय्यर ने एडम मिल्ने की गेंद पर जगह बनाकर शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन 143 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई गेंद उनके बल्ले को छकाती हुई सीधे स्टंप पर जा लगी। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए 24 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने पावरप्ले के बाद भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। भारत ने पावरप्ले में चार विकेट पर 61 रन बनाए। नमन धीर ने दो छक्कों और दो चौकों की मदद से 13 गेंदों में 28 रन बनाए, लेकिन उनके आउट होते ही भारत की हार लगभग तय हो गई। तिलक वर्मा ने 35 गेंदों में 35 रन बनाकर टीम को ऑलआउट होने से बचाया। प्रिंस यादव 17 गेंदों में 18 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। फिलिप्स ने 49 गेंदों में 107 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि ब्रेसवेल ने महज 25 गेंदों में 65 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए केवल 41 गेंदों में 115 रन की साझेदारी कर भारतीय गेंदबाजी की कलई खोल दी। टिम सीफर्ट और डेरिल मिचेल को तेज गेंदबाज मयंक यादव ने पवेलियन भेजकर न्यूजीलैंड को शुरुआती झटके दिए। इसके बाद फिलिप्स और फिन एलन ने तीसरे विकेट के लिए 59 रन जोड़कर पारी को संभाला। एलन और बेवन जैकब्स के जल्दी-जल्दी आउट होने से न्यूजीलैंड की रन गति कुछ धीमी पड़ती दिख रही थी, लेकिन फिलिप्स और ब्रेसवेल ने यहां से पारी का रुख बदल दिया। फिलिप्स ने प्रिंस यादव के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए एक ओवर में एक छक्का और तीन चौके लगाए। इसके बाद उन्होंने नीतिश कुमार रेड्डी को भी निशाने पर लिया। 31 गेंदों में अर्धशतक पूरा करने के बाद इस 29 वर्षीय बल्लेबाज ने 16वें ओवर में रेड्डी की गेंदों पर एक चौका और चार छक्के जड़कर 32 रन बटोरे। ब्रेसवेल भी दूसरे छोर से भारतीय गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे। उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल के एक ओवर में लगातार तीन चौके और एक छक्का जड़ा। ब्रेसवेल ने महज 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

भारत की ओर से मयंक यादव सबसे प्रभावशाली गेंदबाज रहे। उन्होंने 140 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी कर बल्लेबाजों को परेशान किया। ब्रेसवेल ने हालांकि उनकी तेज गेंदों का भी बखूबी सामना किया और फ्लिक तथा स्कूप शॉट के जरिए लगातार दो छक्के लगाकर गेंदबाजी के आंकड़े [illegible] किये। अर्धशतक पूरा करने के बाद ब्रेसवेल को प्रिंस ने पगबाधा आउट किया। फिलिप्स और ब्रेसवेल की आतिशी बल्लेबाजी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 11वें ओवर में चार विकेट पर 112 रन बनाने वाली न्यूजीलैंड की टीम 17.2 ओवर में पांच विकेट पर 227 रन तक पहुंच गई। फिलिप्स ने तेज गेंदबाज अर्शदीप की गेंद पर सीधा छक्का लगाकर महज 46 गेंदों में अपना तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया। उन्होंने अर्धशतक से शतक तक पहुंचने के लिए सिर्फ 15 गेंदें खेलीं। शतक पूरा करने के बाद फिलिप्स को रेड्डी ने आउट किया, लेकिन तब तक न्यूजीलैंड मजबूत स्थिति में पहुंच चुका था। कीवी बल्लेबाजों ने अंतिम पांच ओवरों में 85 रन बटोरकर भारत के सामने 260 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा था।



माइकल ब्रेसवेल



ग्लेन फिलिप्स

कृष्णा न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए



ऑकलैंड। भारती क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा चोटिल होने के कारण मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली एदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार को कृष्णा मांसपेशियों में खिंचाव से पूरी तरह उबर नहीं पाने के कारण बाहर कर दिया गया है। कृष्णा का इस प्रकार से बाहर होना भारतीय टीम के लिए करारा झटका है। वहीं पिछले कुछ समय से बाहर चल रहे युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को शनिवार से न्यूजीलैंड ए के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है। इस मैच से सिराट की फिटनेस का अंदाज लगाया जा सकेगा। कृष्णा वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज के दौरान चोटिल हुए थे और तभी से उनकी मांसपेशियों में खिंचाव का उपचार चल रहा था। उन्हें एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल किये जाते समय ही कहा गया था कि फिटनेस मंजूरी मिलने के बाद ही उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह मिली। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई की ओर से कहा गया, कृष्णा को मांसपेशियों में खिंचाव से पूरी तरह उबरने में अभी और समय लगेगा। हालांकि, बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर कृष्णा पूरी तरह फिट हो जाते हैं, तो उन्हें न्यूजीलैंड ए के खिलाफ 7 नवंबर से शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम चार दिवसीय मैच के लिए भारत ए टीम में शामिल किया जाएगा। इससे उन्हें आगामी टेस्ट सीरीज से पहले लय हासिल करने का अवसर मिल जाएगा।

रिबाकिना पैन पैसिफिक ओपन में जीत के साथ ही साल की नंबर 1 महिला टेनिस खिलाड़ी बनी

टोक्यो। कजाखस्तान की महिला टेनिस स्टार एलेना रिबाकिना ने टोक्यो में पैन पैसिफिक ओपन में जीत के साथ ही दूसरे दौर में प्रवेश किया है। इस जीत के साथ ही रिबाकिना ने साल का अंत दुनिया की नंबर 1 महिला खिलाड़ी के रूप में करना तय कर लिया है। रिबाकिना के लिए यह पहला अवसर है जब उन्होंने यह प्रतिष्ठित उपलब्धि हासिल की है, ये उनके शानदार प्रदर्शन और निरंतरता को दिखाता है। रिबाकिना ने महिला एकल में अपनी ही हमवतनर यूलिया पुतिनत्सेवा को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराया। इस मुकाबले में रिबाकिना ने शुरुआत से ही आक्रामक शुरु अपनाया। इस मैच में जीत के साथ ही सत्र के अंतिम बड़े टूर्नामेंट से पहले ही शीर्ष स्थान पर दावेदारी पक्की हो गयी। नंबर एक स्थान के लिए उन्हें केवल एक और जीत की आवश्यकता थी। अब दूसरे नंबर 2 की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका रैंकिंग में उन्हें पीछे नहीं छोड़ सकतीं। गौरतलब है कि महिला टेनिस में साल के अंत की नंबर 1 रैंकिंग किसी भी खिलाड़ी के लिए सर्वोच्च सम्मानों में से एक होती है, जो न केवल प्रमुख टूर्नामेंटों में जीत बल्कि पूरे साल की निरंतरता को भी दिखाती है।



इस शानदार उपलब्धि के साथ ही रिबाकिना महिला टेनिस संघ (डब्ल्यूटीए) के इतिहास में सत्र का अंत नंबर 1 खिलाड़ी के रूप में करने वाली केवल 17वीं खिलाड़ी बन गई हैं। वह स्टेफी ग्राफ, सेरेना विलियम्स, मार्टिना नवरातिलोवा, क्रिस एवर्ट, जस्टिन हेनिन, इगा स्वियातेक और आर्यना सबालेंका जैसी महान खिलाड़ियों की विशिष्ट सूची में शामिल हो गई हैं। रिबाकिना ने पहली बार सितंबर में यूएस ओपन जीतने के बाद विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया था, लेकिन टोक्यो में मिली इस जीत ने यह भी सुनिश्चित कर दिया है कि वह पूरे साल के प्रदर्शन के आधार पर शीर्ष स्थान पर बनी रहेंगी। अब रिबाकिना का सामना कनाडा की लेलाह फर्नांडेज से होगा। फर्नांडेज ने एलिस मर्टेंस को 6-2, 7-6(8) से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। यह मुकाबला निंगबो ओपन के फाइनल का ही एक और मंच होगा, जहां दोनों खिलाड़ियों के बीच एक और रोमांचक भिड़ंत देखने को मिलेगी।

अफगानिस्तान ने दूसरे टी20 में जिम्बाब्वे को हराया, राशिद ने पूरे किये 200 विकेट



शारजाह। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने यहां हुए दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ मिली 19 रनों की जीत के दौरान ही अपने 200 टी20 विकेट पूरे किये। ये उपलब्धि हासिल करने वाले राशिद एकमात्र क्रिकेटर हैं। राशिद ने अपने 120वें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में यह आंकड़ा हासिल किया। वहीं इंग्लैंड के आदिल राशिद 153 मैचों में 171 विकेट के साथ ही दूसरे स्थान पर हैं। अफगानिस्तान ने इस मैच में जीत के साथ ही तीन मैचों की सीरीज भी 2-0 से अपने नाम कर ली है। इस मैच में अफगान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। उसने पावरप्ले के दौरान ही 5 रनों पर 4 विकेट खो दिये थे। 20 रनों के अंदर ही आधी टीम पेवेलियन लौट गयी थी। इसके बाद अजमतुल्लाह उमरजई और एजाज अहमदजई ने 142 रनों की साझेदारी कर टीम को संभालने के साथ ही एक रिकार्ड भी बना दिया। ये छठे या उससे निचले क्रम के विकेट के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की अब तक की सबसे बड़ी साझेदारी है।

इस दौरान उमरजई ने अपने करियर का पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाते हुए 116 रनों की तेजी पारी खेली, जिसमें 12 छक्के और 5 चौके शामिल थे। इस शतक के साथ, वह इस प्रारुप में शतक लगाने वाले अफगानिस्तान के चौथे बल्लेबाज बन गए। उनके जोड़ीदार अहमदजई ने भी 52 रनों का अहम योगदान दिया, जिससे अफगानिस्तान 20 ओवरों में 221/7 रन बनाने में सफल रहा। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहली बार हुआ है जब किसी टीम ने अपने शुरुआती 4 विकेट 20 रन से कम के स्कोर पर गंवाने के बाद 200 से अधिक रन बनाए हों। यह अफगानिस्तान का इस फॉर्मेट में तीसरा सबसे बड़ा स्कोर भी है।

जोकोविच ने सर्बियाई छात्र आंदोलन की जीत पर खुशी जतायी



बासेल। स्विट्जरलैंड के बासेल में स्विस इंडोर्स टूर्नामेंट खेल रहे सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने अपने देश में छात्र आंदोलन के सफल होने पर खुशी जतायी है। जोकोविच ने सर्बिया में छात्र आंदोलन की चुनावी जीत पर बधाई देते हुए कहा कि छात्रों ने पिछले दो साल से सरकार के खिलाफ निरंतर संघर्ष जारी रखा था। उन्होंने युवाओं के साहस की प्रशंसा की है। जोकोविच के मुताबिक, इस आंदोलन ने न सिर्फ सर्बिया बल्कि विदेशों में रहने वाले सर्बियाई लोगों के बीच भी गर्व की भावना पैदा की है।

जोकोविच ने आंदोलन से जुड़े युवाओं के प्रति गहरा सम्मान जाहिर करते हुए उनके संघर्ष और अमूल्य योगदान के बारे में बताया। उन्होंने भावुक होकर कहा, मैं उन छात्रों और युवाओं का दिल से सम्मान करता हूं, जिन्होंने अथक संघर्ष किया। पिछले दो वर्षों में उन्होंने भारी दबाव और चुनौतियों के बावजूद अपनी गरिमा और अविश्वसनीय दृढ़ता का परिचय दिया है। जोकोविच ने आगे कहा कि युवाओं ने जिस परिपक्वता और संकल्प के साथ परिस्थितियों का सामना किया, उससे वह काफी प्रभावित हैं।साथ ही कहा, मेरे मन में उनके लिए बहुत प्रशंसा है कि उन्होंने क्या किया और किस तरह से खुद को इतनी गरिमा के साथ पेश किया। उन्होंने सभी लोगों के भीतर गर्व की भावना पैदा की है, सिर्फ सर्बिया में ही नहीं, बल्कि विदेशों में रहने वाले सर्बियाई समुदाय के बीच भी। यह आंदोलन पिछले दो साल से सर्बियाई सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहा था।

मुंबई इंडियंस ने रॉबिन उथप्पा को बल्लेबाजी कोच बनाया



मुम्बई। मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र के लिए पूर्व क्रिकेटर रोबित उथप्पा को बल्लेबाजी कोच बनाया है। मुंबई इंडियंस ने अपने एक बयान में कहा है कि उथप्पा ने आईपीएल के पहले सत्र (2008) में मुंबई इंडियंस के लिए खेला था। इसलिए कोच के तौर पर टीम से जुड़ना उनकी लिए घर वापसी जैसा है। मुंबई इंडियंस ने सोशल मीडिय में लिखा, हमारे पहले सत्र का हिस्सा बनने से लेकर अब अपार अनुभव के साथ लेकर वापसी कर रहे रॉबिन के आने से टीम बेहतर होगी। उथप्पा युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने की स्पष्ट योजना के साथ टीम से जुड़ रहे हैं। मुंबई इंडियंस में आपका फिर से स्वागत है रॉबिन। इस घोषणा से साफ होता है कि फ्रेंचाइजी उथप्पा के अनुभव और खेल की गहरी समझ का लाभ उठाना चाहती है, विशेषकर युवा प्रतिभाओं को निखारने में। गौरतलब है कि उथप्पा अपनी क्लासिक और आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते थे, उनका आईपीएल करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने कई फ्रेंचाइजी के लिए खेलते हुए अहम भूमिकाएं निभाई और 2014 में कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब जिताने में अहम योगदान दिया था। हाल ही में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद उथप्पा कमेंट्री और क्रिकेट विशेषज्ञ के रूप में सक्रिय थे। बल्लेबाजी कोच के रूप में उनकी नियुक्ति मुंबई इंडियंस की उस रणनीति का हिस्सा है जिसमें पूर्व खिलाड़ी और अनुभवी क्रिकेटरों को महत्वपूर्ण भूमिकाएं दी जा रही हैं।

मोरक्को की राजधान रबात में फीफा अंडर-17 महिला विश्वकप के राउंड 16 मैचों में चीन की फेंक झेनझू किक लगाती हुई।



सिंधु-लक्ष्य हाइलो ओपन बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में

सिंधु ने सीधे गेम में जीता मैच, मालविका और इशरानी बाहर

सारब्रुकन। भारत की पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने गुरुवार को जर्मनी के सारब्रुकन में चल रहे हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। सिंधु ने महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में फ्रांस की रोसी ओक्टाविया पंकसारी को 26 मिनट में 21-9, 21-6 से हराया। पुरुष सिंगल्स में लक्ष्य सेन ने हमवतन किरण जॉर्ज को 54 मिनट में 21-15, 18-21, 21-12 से शिकस्त दी। दूसरी ओर मालविका बंसोड़ और इशरानी बरुआ हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई।



सिंधु का क्वार्टर फाइनल में अमली शुल्ज से मैच

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने फ्रांस की पंकसारी के खिलाफ शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने मैच में खेले गए 57 पॉइंट में से 42 अपने नाम किए। फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहीं पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने पहले राउंड में प्रकृति भारत को हराया था। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना डेनमार्क की अमली शुल्ज से होगा।

सिंधु ने 57 में से 42 अंक हासिल किए

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी। उन्होंने फ्रांस की पंकसारी को दोनों गेम में वापसी का मौका नहीं दिया। सिंधु ने मुकाबले में खेले गए 57 पॉइंट में से 42 अपने नाम किए, जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी को 15 पॉइंट मिले।

लक्ष्य सेन ने किरण जॉर्ज को हराया

भारत के टॉप रैंकिंग वाले पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने प्री-क्वार्टर फाइनल में हमवतन किरण जॉर्ज को हराया। लक्ष्य ने पहला गेम 21-15 से जीता, लेकिन दूसरे गेम में 18-21 से हार गए। निर्णायक गेम में लक्ष्य ने दमदार वापसी की और 21-12 से जीत दर्ज कर अंतिम आठ में जगह बनाई।

मालविका और इशरानी टूर्नामेंट से बाहर

महिला सिंगल्स में मालविका बंसोड़ को कनाडा की वेन यू झांग ने 21-11, 21-17 से हराया। मुकाबला 31 मिनट चला। मालविका पहले गेम में पिछड़ गई और दूसरे गेम में बेहतर प्रदर्शन के बावजूद मैच नहीं बचा सकीं। इशरानी बरुआ को डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त लाइन होजमार्क केजर्सफेल्ड ने 21-14, 21-19 से हराया। 39 मिनट के मुकाबले में इशरानी ने दूसरे गेम में चुनौती दी, लेकिन डेनमार्क की खिलाड़ी ने सीधे गेम में जीत दर्ज की।

उन्नति हुड्डा और अनमोल खरब के मैच भी आज

महिला सिंगल्स में भारत की छठी वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा का मुकाबला डेनमार्क की फेडरिक ओस्टरगार्ड से होगा। वहीं, अनमोल खरब डेनमार्क की तीसरी वरीयता प्राप्त लाइन क्रिस्टोफरसेन के खिलाफ खेलेंगी।

आखिरी 3 मिनट में जीता मुकाबला, 4 साल पहले पिता को खोया पर उनका सपना पूरा किया

मनीषा विमेंस वर्ल्ड रेसलिंग जीतने वाली पहली भारतीय

कजाकिस्तान। मनीषा भानवाला विमेंस वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। उन्होंने शुक्रवार को कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में अमेरिका की एबिगेल नेट को 59 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में 8-6 से हराया। 29 साल की मनीषा मुकाबले के एक समय 1-5 से पीछे थीं। लेकिन उन्होंने आखिरी 3 मिनट में 7 पॉइंट हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ मनीषा ने अपने पिता सुरेश का सपना पूरा किया। उनके पिता चाहते थे कि बेटी एक दिन वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियन बने। 17 अप्रैल 2022 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया था।



पिता ने फिटनेस के लिए कुश्ती कैंप भेजा

मनीषा के कुश्ती में आने की शुरुआत उनके पिता सुरेश की वजह से हुई थी। 2013 में उन्होंने बेटी को फिटनेस सुधारने के लिए कुश्ती के ट्रेनिंग कैंप में भेजा था। धीरे-धीरे कुश्ती मनीषा के लिए फिटनेस से आगे बढ़कर करियर बन गई। इस सफर में रोहतक का छोटूराम अखाड़ा और कोच मंदीप सिंह अहम रहे। मनीषा ने जापानी कोच कोसेई अकाइशी के मार्गदर्शन में भी अपनी कुश्ती की तकनीक पर काम किया।

39 साल बाद मिला गोल्ड

- महिला कुश्ती की पहली वर्ल्ड चैंपियनशिप 1987 में हुई थी। 2021 में अंशु मलिक ने पहली बार किसी भारतीय महिला पहलवान के तौर पर वर्ल्ड चैंपियनशिप का फाइनल खेला। उन्होंने सिल्वर जीता।
- इस बार भी भारत को एक साथ दो गोल्ड जीतने के मौके मिले थे। 50 किलोग्राम में नीलम सिरोही और 76 किलोग्राम में काजल ढोचक फाइनल तक पहुंचीं, लेकिन दोनों को सिल्वर से संतोष करना पड़ा।
- इससे पहले सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में भारत के लिए गोल्ड जीतने वाले एकमात्र पहलवान सुशील कुमार थे। उन्होंने 2010 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

एशियन गेम्स में हार के बाद बदला वजन वर्ग

मनीषा के लिए 2026 का साल आसान नहीं रहा। एशियन गेम्स में उन्होंने 57 किलोग्राम वर्ग में हिस्सा लिया था। क्वार्टर फाइनल में उन्हें जापान की अकारी फुजिनामी से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए उन्होंने 59 किलोग्राम वर्ग चुना। इससे पहले वह 62 किलोग्राम में भी खेल चुकी थीं।

फाइनल तक का सफर भी रहा दमदार

59 किलोग्राम वर्ग में मनीषा ने फाइनल तक पहुंचने के लिए लगातार तीन मुकाबले जीते। कनाडा की लॉरेंस ब्यूरेगार्ड को उन्होंने पिनफॉल से हराया। क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया की बोलोरतुया खुरेलखू को 6-0 से मात दी। इसके बाद सेमीफाइनल में मेजबान कजाकिस्तान की अल्टिन शागायेवा को 10-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

तीन दशक बाद इंद्रावती टाइगर रिजर्व में शुरू होगी जंगल सफारी, एक नवंबर से पर्यटकों को मिलेगा प्रवेश

पहले चरण में नौ किलोमीटर के मार्ग पर चार जिप्सी से होगी शुरुआत





मूक पत्रिका

बीजापुर/आशीष पदमवार। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले स्थित इंद्रावती टाइगर रिजर्व में करीब तीन दशक बाद जंगल सफारी की शुरूवात होने जा रही है। एक नवंबर से पर्यटक यहां के जंगल, प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवों को करीब से देख सकेंगे।

छह स्थानीय युवाओं को गाइड और चालक का प्रशिक्षण

पहले चरण में उल्लूर गांव से उंडलापर्ती तक नौ किलोमीटर के मार्ग पर चार जिप्सी वाहनों से सफारी का संचालन किया जाएगा। इसके लिए प्रति वाहन दो हजार रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में शुरू हो रही इस पहल को जिले में पर्यटन गतिविधियों के विस्तार और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने से जोड़कर देखा जा रहा है। सफारी संचालन के लिए छह स्थानीय युवाओं को गाइड और वाहन चालक के रूप में प्रशिक्षण दिया गया है। देश में 31 मार्च 2026 को वामपंथी उग्रवाद के उन्मूलन की घोषणा के बाद पर्यटन और विकास की संभावनाओं को लेकर बीजापुर जिले में भी नई पहल की जा रही हैं। इसी क्रम में इंद्रावती टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी शुरू करने की तैयारी की गई है। इससे लंबे समय से पर्यटकों की पहुंच से दूर रहे इस वन क्षेत्र को पर्यटन के नक्शे पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

देश का चौथा सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व

क्षेत्रफल के लिहाज से इंद्रावती टाइगर रिजर्व देश का चौथा सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है। वर्ष 1981 में इसे राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था। इसके बाद वर्ष 1982-83 में प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत शामिल किया गया। रिजर्व का कुल क्षेत्रफल 2,799.07 वर्ग किलोमीटर है। इसमें 1,258.37 वर्ग किलोमीटर कोर और 1,540.70 वर्ग किलोमीटर बफर क्षेत्र शामिल है। यहां बाघ, तेंदुआ, जंगली भैंसा, गौर, चीतल और ऊदबिलाव जैसे वन्यजीवों के साथ भारतीय गिद्ध और सफेद पीठ वाले गिद्ध जैसी पक्षी प्रजातियां भी पाई जाती हैं। सफारी शुरू होने से पर्यटकों को इस जैव विविधता से समृद्ध वन क्षेत्र को करीब से देखने का अवसर मिलेगा।

स्थानीय युवाओं को मिली जिम्मेदारी

सफारी संचालन में स्थानीय युवाओं की भागीदारी रखी गई है। इसके लिए छह युवाओं को गाइड और जिप्सी चालक के रूप में प्रशिक्षण दिया गया है। वे पर्यटकों को जंगल, वन्यजीवों और यहां की जैव विविधता के बारे में जानकारी देंगे। सफारी गेट के पास पारंपरिक मिट्टी के घरों की तर्ज पर जलपान गृह भी तैयार किया गया है। यहां पर्यटकों को स्थानीय व्यंजन और जलपान उपलब्ध कराने की व्यवस्था रहेगी।

होमस्टे और स्थानीय उत्पादों को मिलेगा बढ़ावा

सफारी शुरू होने से आसपास के ग्रामीणों के लिए गाइड, वाहन चालक, होमस्टे और खान-पान जैसी गतिविधियों में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं। स्थानीय हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन और जनजातीय कला-संस्कृति को भी पर्यटकों तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। पर्यटकों की संख्या और गतिविधियों के विस्तार के आधार पर जिप्सी वाहनों की संख्या बढ़ाने की योजना है। भविष्य में टाइगर रिजर्व के दूसरे हिस्सों में भी सफारी शुरू करने की तैयारी है।करीब तीन दशक बाद इंद्रावती के जंगलों में सफारी की शुरुआत से बीजापुर में पर्यटन की नई संभावनाएं खुलने की उम्मीद है। इससे पर्यटकों को बस्तर की प्राकृतिक विरासत देखने का अवसर मिलेगा, वहीं स्थानीय समुदायों की आजीविका को भी सहारा मिल सकता है।

जिला मानस संघ की महत्वपूर्ण बैठक 1 नवंबर को किसान भवन बेमेतरा में, वार्षिक उत्सव और संगठन विस्तार पर होगा मंथन

सदस्यता अभियान, शक्तिकेंद्रों की स्थापना एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा होगी तय

मूक पत्रिका

बेमेतरा - माँ भद्रकाली जिला मानस संघ बेमेतरा की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आगामी 1 नवंबर 2026, रविवार को किसान भवन, बेमेतरा में आयोजित की जाएगी। बैठक में संगठन की मजबूती, विस्तार एवं आगामी गतिविधियों की कार्ययोजना को लेकर व्यापक चर्चा की जाएगी।संघ के सचिव छगन साहू के माध्यम से नरेंद्र जायसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला अध्यक्ष देवलाल सिन्हा के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में संगठन के भविष्य की योजनाओं और विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय



लिए जाने की संभावना है।बैठक के एजेंडे में प्रमुख रूप से आगामी वार्षिक उत्सव का आयोजन, सदस्यता अभियान का विस्तार, जिले में शक्तिकेंद्रों की स्थापना तथा आगामी वर्ष में व्याख्यान माला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन जैसे विषय शामिल हैं। इसके साथ ही संगठन के आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत कर आर्थिक गतिविधियों की जानकारी भी साझा की जाएगी।बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने, नए सदस्यों को जोड़ने तथा मानस परंपरा, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विचारों के प्रचार-प्रसार को लेकर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।जिला मानस संघ की इस बैठक को संगठन की आगामी कार्ययोजना निर्धारित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सहभागिता से आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी।

रेडियंस पब्लिक स्कूल बैजी लोलेसरा में पालक-शिक्षक बैठक संपन्न, बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता पर हुई चर्चा

तिमाही परीक्षा के परिणामों की समीक्षा कर पालकों ने दिए सुधार के सुझाव, अनुशासन और समय प्रबंधन का दिया गया संदेश

मूक पत्रिका

बैजी लोलेसरा – बेमेतरा जिले के ग्राम बैजी लोलेसरा में संचालित रेडियंस पब्लिक स्कूल में पालक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों के पालकगण उत्साहपूर्वक शामिल हुए। इस दौरान विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, पढ़ाई के स्तर और उनके सर्वांगीण विकास को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में तिमाही परीक्षा के मूल्यांकन की समीक्षा की गई तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए पालकों से सुझाव आमंत्रित किए गए। शिक्षकों ने



पालकों को बच्चों की घर पर होने वाली दैनिक गतिविधियों, पढ़ाई की दिनचर्या और गृहकार्य पर नियमित ध्यान देने की बात कही। साथ ही विद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों पर भी चर्चा हुई, जिसमें पालकों ने अपनी सहमति एवं सहभागिता व्यक्त की। इस अवसर पर संस्था प्रमुख मोजेश मसीह ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जीवन में अनुशासन का महत्व बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रत्येक कार्य समय पर करने, नियमित अध्ययन करने और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य और शैक्षणिक विकास के लिए विद्यालय एवं अभिभावकों के बीच निरंतर समन्वय और सहयोग आवश्यक है। कार्यक्रम में संगीता राणा सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं स्टाफ सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। बैठक का उद्देश्य विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर संवाद स्थापित कर विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर एवं व्यक्तित्व विकास को नई दिशा देना रहा।

अर्नब तूफान से फसल क्षति का उप संचालक कृषि ने किया निरीक्षण, किसानों को दी बीमा व राहत की जानकारी

मूक पत्रिका

बेमेतरा । जिले में विगत दिनों आए अर्नब तूफान के प्रभाव से खरीफ फसलों को हुए नुकसान के आकलन हेतु आज उप संचालक कृषि मोरध्वज डडसेना ने विकासखण्ड के ग्राम पंचायत कठिया एवं जेवरा का स्थलीय निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान सहायक संचालक कृषि, फसल बीमा कंपनी के प्रतिनिधि, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे।निरीक्षण में पाया गया कि दोनों ग्रामों में लगभग 5 से 10 प्रतिशत फसल आंशिक रूप से गिरी हुई है, जबकि कृषकों द्वारा भी नुकसान कम होना बताया गया। साथ ही लगभग 85 प्रतिशत फसल अपरिपक्व अवस्था में पाई गई।

किसानों को दी गई सलाह

किसानों को सलाह दिया गया कि जिन खेतों में फसल गिरने के साथ पानी भराव है, वे तत्काल अतिरिक्त पानी की निकासी करें। जिन कृषकों ने



फसल कटाई के बाद उपज खेत में ही रखी है और बारिश से नुकसान हुआ है, वे 72 घंटे के भीतर फसल बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर 14447 पर अनिवार्य रूप से सूचना दें, ताकि बीमा लाभ मिल सके।उन्होंने मैदानी अमले को निर्देशित किया कि राजस्व विभाग से समन्वय कर प्रभावित कृषकों की जानकारी संकलित करें और पात्र किसानों को राजस्व पुस्तक परिपत्र क्रमांक 6(4) के तहत राहत राशि दिलाने की कार्रवाई करें।

उप संचालक कृषि ने आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग फसलों की स्थिति पर सतत निगरानी रख रहा है और प्रभावित किसानों को शासन की योजनाओं के अनुरूप हर संभव सहायता दी जाएगी।

ट्रिपल इंजन की सरकार में विकास का इंजन धीमा! 93 ग्राम पंचायतों, सवाल पर कांग्रेस कार्यसमिति क्षेत्रीय जनपद सदस्य का प्रहार

बकावंड जनपद पंचायत की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल, सामान्य सभा और समीक्षा बैठकें नियमित नहीं होने से विकास कार्यों की रफ्तार पर लगा सवालिया निशान

मूक पत्रिका

पवन कुमार नाग -बकावंड। सरकार ट्रिपल इंजन की, दावे विकास के और उम्मीदें गांवों की तरक्की की... लेकिन जब विकास की समीक्षा करने वाली बैठकें ही नियमित रूप से नहीं हों, तो फिर 93 ग्राम पंचायतों के विकास का हिसाब आखिर कौन लेगा? बकावंड जनपद पंचायत की कार्यप्रणाली को लेकर क्षेत्रीय जनपद सदस्य लालेंद्र बाकड़े ने ऐसे ही कई सवाल उठाकर जिम्मेदारों को कटघरे में खड़ा किया है।

जनपद सदस्य ने सवाल उठाया है कि जब निर्वाचित जनपद सदस्यों को ही सामान्य सभा



और समीक्षा बैठकों में अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल रहा, तो ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याएं अधिकारियों तक कैसे पहुंचेंगी? सड़क, पेयजल, आवास और मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का समाधान आखिर किस गति से होगा?

बैठकें बंद, सवाल बुलंद... आखिर विकास की जवाबदेही किसकी?

जनपद सदस्य का कहना है कि भाजपा शासनकाल में जनपद पंचायत की सामान्य सभा और समीक्षा बैठकें नियमित रूप से आयोजित नहीं हो रही हैं। जबकि नियमानुसार प्रत्येक दो माह में सामान्य सभा की बैठक आयोजित की जानी चाहिए। इन बैठकों में शासन की योजनाओं, निर्माण कार्यों और लंबित समस्याओं की समीक्षा होनी चाहिए, लेकिन बैठकें नियमित नहीं होने से जनप्रतिनिधियों को अपनी समस्याएं और क्षेत्र की मांगें रखने का उचित अवसर नहीं मिल पा रहा है। सवाल यह है कि जब जनपद पंचायत में ही जनप्रतिनिधियों के बीच संवाद और समन्वय की कमी दिखाई दे रही है, तो गांवों में विकास कार्यों की गति कैसे बढ़ेगी?ट्रिपल इंजन की सरकार, फिर भी विकास की रफ्तार पर ब्रेक !एक तरफ सरकार गांव?

चौक-चौराहों पर नागरिकों ने किया स्वागत, मुख्य वक्ता ने राष्ट्रसेवा और सामाजिक समरसता पर दिया जोर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विजयादशमी उत्सव, 350 से अधिक स्वयंसेवकों ने निकाला पथ संचलन

मूक पत्रिका

बीजापुर। जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से शनिवार को विजयादशमी उत्सव एवं जिला स्तरीय पथ संचलन का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से 350 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। पूर्ण गणवेश में शामिल स्वयंसेवकों ने अनुशासन और संगठन की एकजुटता का परिचय देते हुए नगर में पथ संचलन किया। इस दौरान नगर के विभिन्न चौराहों पर स्थानीय नागरिकों ने स्वयंसेवकों का स्वागत किया।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कुंवर राज बहादुर सिंह राणा, अध्यक्ष जागृति मंडल समिति रायपुर





एवं अध्यक्ष गायत्री वेदमाता महाविद्यालय जगदलपुर उपस्थित रहे।

उन्होंने अपने संबोधन में विजयादशमी पर्व के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता, अनुशासन और संगठन की भावना को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि राष्ट्र की उन्नति के लिए प्रत्येक नागरिक में कर्तव्यबोध, समर्पण और सेवा की भावना होना आवश्यक है। समाज को संगठित और जागरूक बनाकर ही राष्ट्र को सशक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने मातृभूमि के प्रति निष्ठा और सामाजिक दायित्वों के निर्वहन को भी महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे स्वयंसेवकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। पूर्ण गणवेश में अनुशासित रूप से निकले पथ संचलन का नगर के अलग-अलग चौराहों पर स्वागत किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला बीजापुर के जिला कार्यवाह रविशंकर शुक्ला ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी विजयादशमी के अवसर पर नगर में उत्साह के साथ पथ संचलन निकाला गया। नगरवासियों ने विभिन्न चौराहों पर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। वहीं सह जिला संघचालक भूपति नक्का ने कार्यक्रम के आयोजन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।



स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।